E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 156 | गुवाहाटी | सोमवार, 1 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मोदी रोको की रट लगाए है घमंडिया गठबंधन : जेपी नड्डा पेज 2

डिमा हसाउ पहाड़ी जिला परिषद चुनाव को लेकर प्रचार तेज पेज 3

प्रधानमंत्री के करिश्माई नेतृत्व पर जनता का बढ़ा भरोसा, तीसरी बार बनेगी मोदी... पेज 5

एमसीजी में बाबर को आउट करने वाले कमिंस ने मुझे डेनिस लिली की महानता... पेज 7

शुभकामना

विकसित भारत समाचार के पाठकों, एजेंटों, हॉकरों एवं विज्ञापनदाताओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

– संपादक

नववर्ष का कैलेंडर

आज के अंक के साथ संलग्न है।

शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

त्रिपक्षीय शांति समझौता शर्मनाक : अल्फा के बागी गुट

कहा– राजनीतिक समाधान संभव नहीं

गुवाहाटी। उग्रवादी संगठन अल्फा के नेता परेश बरुआ ने संगठन के वार्ता समर्थक धड़े के साथ हुए एक त्रिपक्षीय शांति समझौते को को *शर्मनाक* करार दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक समाधान तब तक संभव नहीं है, जब तक क्रांतिकारी अपने लक्ष्यों और आदर्शों को को छोड़ नहीं देते हैं। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता विरोधी धड़े के नेता बरुआ ने एक असमिया टेलीविजन चैनल को टेलीफोन पर इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम समझौते से हैरान, चिंतित या नाराज नहीं हैं, बल्कि शर्मिंदा हैं। हम जानते हैं कि जब क्रांतिकारी अपने लक्ष्य, आदर्श और विचारधारा छोड़ देते हैं तो परिणाम क्या होता है। राजनीतिक समाधान संभव नहीं है। उनसे जब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की उनके गुट के साथ संभावित बातचीत के बारे में पूछा गया तो बागी नेता ने कहा कि हां, उन्होंने मुझसे बात की थी। लेकिन हम इस पर बातचीत के लिए नहीं बैठेंगे। हमने राजनीतिक समाधान की मांग की है और हम इस लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे और राज्य के लोगों से विश्वासघात नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक मांगें पूरी नहीं की जाती हैं और केवल पैकेज दिया जाता है, तो यह स्वीकार्य नहीं है। हम शुरू से कह रहे हैं कि वे (अल्फा का वार्ता समर्थक धड़ा) तथाकथित व्यवस्था के गलत रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। बुरुआ के नेतृत्व वाला अल्फा (आई) तब तक बातचीत की मेज पर आने के लिए तैयार नहीं था, जब तक कि *असम की संप्रभुता* के मुद्दे पर चर्चा नहीं की जाती। सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने इन मुद्दों पर अपने पूर्व साथियों के साथ चर्चा की थी, अल्फा (आई) नेता ने कहा कि संगठन के महासचिव अनूप चेतिया ने उनसे बात की थी और उन्होंने चेतिया को राजनीतिक समझौते के बारे में समझाने की कोशिश की। लेकिन, चेतिया ने उन्हें बताया कि वार्ताकारों ने इस मांग को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि भारतीय संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने –शेष पृष्ठ दो पर

44 साल का संघर्ष समाप्त हुआ : अनुप चेतिया

गुवाहाटी। 29 दिसंबर, 2023 को यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया क्योंकि उसने औपचारिक रूप से भारत सरकार और राज्य के साथ शांति समझौता किया। गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में हस्ताक्षर समारोह ने पूर्वोत्तर राज्य में चार दशकों के संघर्ष के अंत

को चिह्नित किया। अल्फा महासचिव अनुप चेतिया ने इस क्षण के महत्व को व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि 44 वर्षों के बाद, हमने भारत और असम सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह शांति समझौता 12 साल की बातचीत के बाद हुआ है जिसका उद्देश्य असम में उग्रवाद को –शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने पत्नी संग स्वामी चिदानंद से लिया आशीर्वाद

ऋषिकेश (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी धर्मपत्नी रिनिकी भूया ने रविवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और अंतर्राष्ट्रीय महासचिव जीवा साध्वी भगवती सरस्वती से भेंट कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान दोनों के बीच बार्डर टूरिज्म, जैविक खेती, पौधरोपण, फलदार

पौधों के रोपण, उत्तराखंड व असम की धरती पहाड़ों की धरती है। इस पर पौधरोपण व जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयोगों व शोधों पर चर्चा भी हुई। स्वामी ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि असम की धरती पर लाखों की संख्या में पौधरोपण कर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। –शेष पृष्ठ दो पर

मिशन बसुंधरा ने दो लाख बीघे से अधिक भूमि बंदोबस्त हासिल किया : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 31 दिसंबर को घोषणा की कि मिशन बसुंधरा ने ब्रह्मपुत्र घाटी में 2,82,000 बीघा से अधिक भूमि और बराक घाटी में अतिरिक्त 21 बीघा भूमि का सफलतापूर्वक निपटान किया है। विशेष रूप से, इस ऐतिहासिक भूमि निपटान पहल के लाभार्थी मुख्य रूप से पिछड़े समुदायों से हैं, जो समावेशी शासन के मूल दर्शन के अनुरूप हैं। भूमि राजस्व सेवाओं को सुव्यवस्थित करने, हल करने और –शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी के सबसे लंबे फ्लाईओवर की मुख्यमंत्री आज रखेंगे आधारशिला

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा 1 जनवरी को गुवाहाटी में एक स्मारकीय बुनियादी ढांचा परियोजना की आधारशिला रखने के लिए तैयार हैं – जो शहर का सबसे लंबा फ्लाईओवर होगा। इस महत्वाकांक्षी प्रयास का उद्देश्य दिघलीपुखुरी को नूनमाटी

एफसीआई गोदाम से जोड़ना है, जो असम की हलचल भरी राजधानी में कनेक्टिविटी को बढ़ाने और यातायात की भीड़ को कम करने का वादा करता है। प्रस्तावित फ्लाईओवर, जो प्रभावशाली 4.5 –शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भाग्य के विपरीत होने पर अच्छा कर्म भी दु:खदायी हो जाता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बलूचिस्तान में पुलिस थाने के पास धमाका दो बच्चों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक पुलिस थाने को निशाना बनाकर बम धमाका किया गया जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार को प्रांत के बोलन जिले के माच इलाके में हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम जेल रोड पर पुलिस थाने की इमारत के ठीक पीछे एक ठेले के नीचे छुपाया गया था। थाने के करीब ही एक छोटा सा बाजार है। उन्होंने कहा कि बम धमाका रिमोट से किया गया जिसमें पास –शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर के नाम पर हो रहा बड़ा फ्रॉड, विहिप ने दर्ज कराई शिकायत

प्रयागराज। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तेजी के साथ किया जा रहा है। अयोध्या में राम मंदिर में आगामी 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा के

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश और दुनिया की कई नामचीन हस्तियों को निमंत्रण भेजा गया है। इसी बीच विश्व हिंदू परिषद के नेता विनोद बंसल ने भक्तों के लिए चेतावनी जारी करते हुए उन्हें स्कैम और फर्जीवाड़े से दूर रहने के चेतावनी दी है। उन्होंने एक अलग तरीके –शेष पृष्ठ दो पर

अब *रहने दो* के स्थान पर *आओ-करें* पर विश्वास करता है नया भारत : रक्षामंत्री

शोणितपुर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि केंद्र सरकार देश में एक रणनीतिक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए घरेलू, रक्षा, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक मजबूत आधार विकसित कर रही है। इसी के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार सभी प्रयास कर रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में तेजपुर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रक्षा मंत्रालय के उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहली बार हथियारों के आयात को

प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी कीं, जिसके तहत 509 ऐसे रक्षा उपकरणों की पहचान की गई है, जिनका निर्माण अब स्वदेशी रूप से किया जाएगा। इसके अलावा, हमने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची भी जारी की है, जिसमें 4,666 वस्तुओं की पहचान की गई है, जिनका निर्माण अब हमारे देश में किया जाएगा। घरेलू रक्षा विनिर्माण पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार उत्पादन एक लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा निर्यात का कुल –शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में कोरोना से दस साल की बच्ची की मौत

पटना (हि.स.)। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में कोरोना के सात मरीज मिले हैं। इनमें पटना और गया में तीन-तीन जबकि दरभंगा में एक मरीज है। ताजा मामला सासाराम का है, जहां कोरोना पॉजिटिव 10 साल की बच्ची की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गयी। सासाराम सिविल सर्जन डॉ. केएन तिवारी ने इसकी पुष्टि की है। डॉक्टर के अनुसार बच्ची फेफड़े की गंभीर इंफेक्शन से ग्रसित थी। उन्होंने बताया है कि नोखा के लिलारी की रहने वाली 10 वर्षीय साधना कुमारी की मौत हुई है। वह हरेंद्र गिरी की पुत्री थी। डेहरी के जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बच्ची का इलाज चल रहा था, जहां उसकी मौत हुई है। बच्ची में कोरोना का कौन सा वेरिएंट है। इसकी –शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार ने तहरीक-ए-हुर्रियत पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को आतंक से मुक्त करने के दिशा में केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 के अंतिम दिन यानी 31 दिसंबर को बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में आतंक का खातमा करने के लिए लगातार कोशिशों में जुटी हुई है और ताबड़तोड़ एक्शन ले रही है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने तहरीक-ए-हुर्रियत पर प्रतिबंध लगाया है। मुस्लिम लीग जम्मू-कश्मीर (मसरत आलम ग्रुप) पर प्रतिबंध लगाने के बाद ये दूसरा मौका है जब किसी संगठन पर बैन

लगाया गया है। बता दें कि तहरीक-ए-हुर्रियत (टीईएच) पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी समूह है, जो केंद्रशासित प्रदेश में आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत विरोधी दुष्प्रचार करने का काम करता है। संगठन को बैन करने की घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की है। जानकारी के मुताबिक संगठन पर यूएपीए के तहत बैन लगाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संगठन पर बैन लगाने संबंधित घोषणा करते हुए कहा –शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल-हमास युद्ध की लपटों से झुलसा कोलंबिया विवि

न्यूयॉर्क (हि.स.)। गाजा पट्टी में छिड़ी लड़ाई की वजह से साल के आखिरी तीन महीने कोलंबिया विश्वविद्यालय और अन्य अमेरिकी महाविद्यालयों पर भारी पड़े। इजराइल और फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के बीच छिड़ी जंग की लपटें इन शिक्षण संस्थानों को झुलसाती रहीं। कभी इजराइल तो कभी फिलिस्तीन समर्थक विद्यार्थी समूह प्रदर्शन करते रहे। इससे इससे विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप –शेष पृष्ठ दो पर

गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेंगी पंजाब, बंगाल और दिल्ली की झांकियां

नई दिल्ली (हि.स.)। इस बार कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को निकलने वाली गणतंत्र दिवस परेड में पंजाब, पश्चिम बंगाल और दिल्ली की झांकियां नहीं दिखेंगी। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को साफ किया है कि इन राज्यों की

झांकियों का गणतंत्र दिवस की थीम के अनुरूप न होने की वजह से चयन नहीं किया गया है। इस बार जिन राज्यों की झांकियों को नहीं चुना गया है, उन्हें 23-31 जनवरी के दौरान लाल किला पर होने वाले *भारत पर्व* में अपनी झांकी प्रदर्शित करने का मौका दिया जाएगा। गणतंत्र दिवस –शेष पृष्ठ दो पर

वर्ष 2023 में वैश्विक संघर्ष के बीच ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर उभरा भारत

नई दिल्ली। वर्ष 2023 में दुनिया में संघर्ष और युद्ध छिड़ने के मद्देनजर भारत ने समस्याओं के समाधान के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर दिया तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति बनाए रखने में ध्रुवीकृत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विफलताओं के बीच बहुपक्षवाद में सुधार का लगातार आह्वान किया। वर्ष 2023 में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने वाला भारत *ग्लोबल साउथ* की आवाज बनकर

उभरा है और इसने वर्षभर जी-20 की अध्यक्षता की। जी-20 दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों का संगठन है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस ओर इंगित किया था कि ऐसे समय में जब विश्व तीव्र पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण और गहरे उत्तर-दक्षिण विभाजन को देख रहा था तब भारत ने जी-20 के विषयगत संदेश को *एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य* को संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक मंच से बुलंद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक अभूतपूर्व योग दिवस समारोह का नेतृत्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से योग की शक्ति का उपयोग दोस्ती के सेतु बनाने, एक शांतिपूर्ण दुनिया और एक स्वच्छ, हरित एवं –शेष पृष्ठ दो पर

रूस पर क्लस्टर बम से हमला, 21 की मौत

मॉस्को। रूस में शनिवार को यूक्रेन की तरफ से हुए हमले में 21 लोगों की मौत हो गई जबकि 111 लोग घायल हुए हैं। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने ये हमला क्लस्टर बमों से किया। मरने वालों में 3 बच्चे भी शामिल हैं। हमला रूस के बेलगोरेद शहर पर हुआ। जो यूक्रेनी सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर की दूरी पर है और यूक्रेन के खार्कीव, लुहांस्क, सूमी इलाकों से सटा हुआ है। अलजजीरा के मुताबिक 2022 में शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के

बाद रूस ने शुक्रवार को इन इलाकों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया था। रूस ने 120 मिसाइलें दागी थीं। इसमें 41 यूक्रेनियों की मौत हो गई थी। इसी हमले के बाद शनिवार को यूक्रेन ने रूस पर हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वो शनिवार को हुए इस हमले का बदला जरूर लेंगे। रूस ने यूक्रेन के ड्रोन अटैक को आतंकी हमला कहा है। साथ ही यूएनएससी में इस पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई है। रूस का कहना है कि यूक्रेन ने सोची-समझी साजिश के तहत नागरिकों को निशाना बनाया है। रूस ने –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मोदी रोको की रट लगाए है घमंडिया गठबंधन : जेपी नड्डा

लखनऊ (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को लखनऊ के बुद्धेश्वर मंदिर के निकट मां कृपा लॉन में विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में विपक्षियों के गठबंधन पर जोरदार हमला करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि घमंडिया गठबंधन मोदी रोको —मोदी रोको की रट लगाए है। विपक्ष देश को पीछे खींचने वाली ताकत के रूप में काम कर रहा है। आज देश को आगे ले जाने वालों और देश को पीछे की ओर खींचने वालों के बीच स्पर्धा चल रही है। जहां इंडी अलायंस मोदी रोको की रट लगाए है, वहीं हमारी स्पर्धा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को आगे ले जाएं। जिन लोगों ने भारत को तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी, आज वो भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। जिन्होंने देश की जनता के साथ अपने शासन काल में अन्याय ही अन्याय किया, वो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। जो परिवार से बाहर किसी की कल्पना नहीं करते थे, वो अचानक देश की बात कर रहे हैं। नड्डा के कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन पर 15 नवंबर को झारखंड के रांची से इस विकसित भारत संकल्प यात्रा को प्रारंभ किया था। यह यात्रा लगभग 2.5 लाख पंचायतों से और लगभग 3600 नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत से गुजरते हुए 25 जनवरी को समाप्त होगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उदेश्य है कि देश का कोई भी लाभार्थी इससे वंचित न रह जाए। इसके लिए सरकार हर पंचायत, निगम, वार्ड में पहुंच कर आम जनमानस को यह याद कराने का प्रयास कर रही की सरकार की सभी यह सुविधाएं व योजनाएं उनके लिए है और वह इससे वंचित न रहें। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट है, अगर विकसित भारत की ओर हमें बढ़ना है तो सर्वप्रथम हमारे गांव आबाद होने चाहिए, देश-प्रदेश में गरीबी नहीं होनी चाहिए, युवा प्रगति की ओर अग्रसर होना चाहिए, महिलाएं और किसान सशक्त होने चाहिए और तीव्रता से आगे बढ़ने चाहिए। इसलिए यह सारी योजनाओं से गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, आदिवासी और अनुसूचित जाति के भाई, महिला, युवा और किसान वंचित न रह जाए इसका ध्यान रखा जाता है। इन सबके सशक्तिकरण से ही देश विकसित होता है। आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी सुविधाओं से कोई वंचित न रह जाए और सारी सुविधाएं एक स्थान पर मिल सके इस बात पर चर्चा की जा रही है। नड्डा ने कहा कि यूपी आज विकास की नई गाथा लिख रहा है। चाहे महिला सशक्तिकरण की बात हो, माफिया राज और भ्रष्टाचार का अंत हो या इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, इन सभी उपलब्धियों के लिए योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं।

बड़ी वारदात : गैस कटर से एटीएम मशीन काट 29 लाख चुराकर फरार हुए बदमाश

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले बड़ी वारदात सामने आई है। यहां शनिवार रात को दो अज्ञात बदमाश एक एटीएम मशीन को गैस कटर से काट कर उसमें से 29 लाख रुपए चुराकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। थानाधिकारी विक्रांत शर्मा ने रविवार को बताया कि बजाज रोड पर लगी एक बैंक की एटीएम मशीन को दो बदमाशों ने गैस कटर से काटकर उसमें से लगभग 29 लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बैंक अधिकारियों की ओर से रविवार को दर्ज शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। शर्मा ने बताया कि बदमाशों ने एटीएम के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे पर काले रंग का स्प्रे कर दिया और तार भी काट दिए। उन्होंने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

आईआईटी बीएचयू की छात्रा के कपड़े उतरवाने वाले तीनों युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईआईटी बीएचयू मैं लगभग 2 महीने पहले छात्र के कपड़े उतरवा कर और गैंगरेप करने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वाराणसी पुलिस ने 60 दिनों की छानबीन के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की है। गौरतलब है कि आईआईटी के कैंपस में बुलेट पर आधी रात को तीन लड़कों ने एक छात्रा के साथ गन पॉइंट पर जबरदस्ती की थी। आरोपियों ने छात्रा के जबरदस्ती कपड़े उतरवाए थे। आरोपियों ने इस कृत्य का वीडियो भी बनाया था। इस घटना के बाद आईआईटी बीएचयू कैंपस में सुरक्षा की मांग को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन भी किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है वह सभी वाराणसी के रहने वाले हैं। घटना के दौरान इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार किए गए आयोपियों की पहचान कुणाल पांडेय, अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल के तौर पर हुई है। पुलिस ने तीनों को वाराणसी से गिरफ्तार किया है। बता दें कि 2 नवंबर को सेकंड ईयर की छात्रा अपने हॉस्टल से रात को वॉक करने निकली थी।

डॉ. नितीन करीर बने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. नितीन करीर को महाराष्ट्र का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। डॉ. करीर ने रविवार को देर शाम पूर्व मुख्य सचिव मनोज सौनिक से कार्यभार संभाल लिया है। डॉ. करीर 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। डॉ. करीर इससे पहले वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। इससे पहले उन्होंने राजस्व और वन और शहरी विकास विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया।

नया साल : रेव पार्टी का भंडाफोड़, 95 लोग गिरफ्तार

पुणे। साल 2023 का आज आखिरी दिन है। नए साल के इंतजार में लोग अलग-अलग तरीके से जश्न मना रहे हैं। घर से लेकर पब, डिस्को और बार तक में पार्टी के इंतजाम किए गए हैं। लेकिन कुछ लोग गैरकानूनी तरीके से प्रतिबंधित चीजों का सेवन करते हुए सीक्रेट जगहों पर भी पार्टी करते हैं। ऐसी पार्टियां जहां म्यूजिक, ड्रग्स, शराब और शबाब कॉकटेल देखने को मिलता है, उन्हें रेव पार्टी कहा जाता है। इस तरह की पार्टी करना कानूनी रूप से अपराध है। महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे में ऐसी ही एक रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया है। ठाणे में रविवार सुबह पुलिस ने रेव पार्टी पर छापेमारी कर 90 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा की वागले एस्टेट-5 और भिवंडी-2 इकाई के अधिकारियों ने तड़के करीब तीन बजे वडावली क्रीक के पास एक दूरदराज के इलाके में खुली जगह पर की जा रही रेव पार्टी पर छापेमारी की। पुलिस उपायुक्त (अपराध) शिवराज पाटिल ने बताया कि पांच महिलाओं सहित कम से कम 95 लोग रेव पार्टी करते पाए गए, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने रेव पार्टी के आयोजक तेजस कुबल (23) और सुजल महाजन (19) को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी ने बताया कि पार्टी स्थल से पुलिस ने 70 ग्राम चरस, 0.41 ग्राम एलएसडी, 2 ।10 ग्राम एक्स्टसी गोलियां, 200 ग्राम गांजा और शराब सहित 21 मोटरसाइकिल भी जब्त की हैं।

पृष्ठ एक का शेष

त्रिपक्षीय शांति समझौता...

कहा कि क्या वे यह जाने बिना बातचीत के लिए गए कि संविधान में क्या है? बातचीत संविधान के दायरे से बाहर रहकर होनी चाहिए। बरुआ ने दावा किया कि चेतिया ने उनसे कहा था कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। बरुआ ने कहा कि अगर कोई अन्य विकल्प नहीं था, तो उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि उन्हें धोखा दिया गया है। बरुआ ने दावा किया कि चेतिया ने कहा कि वह वार्ता प्रक्रिया की शुरुआत से वहां नहीं है और अब सुधार करना संभव नहीं है। अल्फा महासचिव 1997 से 18 साल की सजा काटने के बाद 2015 में बांग्लादेश की जेल से रिहा होने के बाद वार्ता प्रक्रिया में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि हम उनके (वार्ता समर्थक गुट) साथ सहयोग नहीं कर सकते क्योंकि हमने अपने आदर्शों और विचारधारा को नहीं छोड़ा है। हम वार्ता की मेज पर तब तक नहीं बैठेंगे जब तक कि नगा फ्रेमवर्क समझौते की तर्ज पर चर्चा नहीं होती है, जिसमें संसाधनों पर नियंत्रण, एक अलग संविधान और झंडा शामिल है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

स्वामी चिदानंद ने कहा कि भारत सरकार, असम और अल्फा के साथ त्रिपक्षीय शांति समझौता ऐतिहासिक शांति समझौता है। यह वास्तव में असम और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए नए युग की शुरुआत है। इससे न केवल असम में सांस्कृतिक विरासत व शांति बनी रहेगी बल्कि पूरे भारत में भी शांति की स्थापना होगी क्योंकि शांति है तो समृद्धि है। अगर सभी शांति बनाए रखेंगे तो असम से आसमान की ओर बढ़ेंगे क्योंकि यह समाज के लिए बहुत जरूरी है। स्वामी ने गंगा के तट से आह्वान किया कि आइए मिलकर करें समस्याओं का समाधान और असम को ले चलें प्रगति के आसमान की ओर। इस अवसर पर स्वामी चिदानंद सरस्वती ने प्रसिद्ध कवि, नाटककार, सुगायक, नर्तक, समाज संगठक, तथा हिन्दू समाजसुधारक श्रीमंत शंकरदेव को याद करते हुए कहा कि15वीं-16वीं सदी के वैष्णव संत, श्रीमंत शंकरदेव नववैष्णव; एकशरण धर्म का प्रचार करके असमिया जीवन को एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। उन्होंने समाज को जाति व्यवस्था से मुक्त करने के लिए अथक संघर्ष किया। वे भारतवर्ष में एक समतावादी समाज का निर्माण करना चाहते थे। वे न केवल एक भक्ति संत थे बल्कि एक अभूतपूर्व लेखक और संगीतकार व समाज सुधाकर भी थे उनकी साधना व राष्ट्रभक्ति को नमन। स्वामी ने कहा कि वर्तमान समय में भारत के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जहां समता, समानता, समरसता व सद्भाव हो। इस हेतु वर्तमान समय में वर्ण व्यवस्था को मजबूत रखे क्योंकि वह हमारी नींव है, लेकिन जाति-पाति की दीवारों को तोड़ना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि इस देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिश हुई, लेकिन मैं लगातार कहता था कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बढ़ी जातियां हैं। जब मैं चार जातियों की बात करता हूं तो वह हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार है। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। स्वामी और साध्वी ने मुख्यमंत्री असम हिमंत विश्व शर्मा और उनकी धर्मपत्नी रिनिकी भूया शर्मा को रुद्राक्ष की दिव्य माला, रुद्राक्ष का पौधा और श्री गणेश की प्रतिमा और परमार्थ निकेतन का सद्साहित्य भी भेंट किया। स्वामी ने कहा कि आज वर्ष 2023 का अंतिम दिन है, यह समय आत्मनिरिक्षण का है कि वर्ष के प्रारम्भ में हमने जिस ऊंचाई, सच्चाई और सफाई तक पहुंचने का संकल्प लिया था क्या हमने उसे पा लिया? क्या हम उस रास्ते पर पहुंचने के पास भी हैं? नव वर्ष में एक नई सोच व संकल्प के साथ बढ़ें।

44 साल का संघर्ष ...

समाप्त करना है। इससे पहले दिन में, अल्फा समर्थक वार्ता गुट के नेता शशधर चौधरी ने घोषणा की कि समझौते के अनुसार संगठन अगले दस से पंद्रह दिनों के भीतर भंग कर दिया जाएगा। चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि वे राजनीति में प्रवेश नहीं करेंगे और आलोचकों से अल्फा-स्वतंत्र प्रमुख परेश बरुआ को मुख्यधारा में लाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। चौधरी ने कहा कि जो लोग हमारी आलोचना कर रहे हैं, उन्हें भारत सरकार के पास जाना चाहिए और उन्हें समझाना चाहिए कि परेश बरुआ को वापस लाया जाना चाहिए और उनकी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने सशस्त्र संघर्ष में बरुआ का समर्थन करने के लिए सरकार से अधिक प्रावधानों की मांग करने वालों को चुनौती दी। हालांकि, स्थायी शांति की राह में अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि परेश बरुआ के नेतृत्व वाला अल्फा (स्वतंत्र) गुट, शांति समझौते में शामिल नहीं है। असम की संप्रभुता की वकालत करने वाले बरुआ का मानना है कि इस मामले पर संवैधानिक दायरे में चर्चा जरूरी है। शांति समझौते में एक व्यापक पैकेज, वित्तीय पहलुओं को संबोधित करना, नागरिकता सूचियों की जांच करना, भूमि आरक्षण नीतियों को लागू करना और स्वदेशी समुदायों के लिए अधिकार सुनिश्चित करना शामिल है। इन प्रावधानों के बावजूद, बरुआ के गुट की भागीदारी के बिना समझौते की प्रभावशीलता के बारे में चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

मिशन बसुंधरा ने ...

पहुंच बढ़ाने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ शुरू किया गया, मिशन बसुंधरा को मिशन-मोड दृष्टिकोण के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड को अद्यतन करने में लंबितता को काफी कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। मिशन का उद्देश्य नागरिकों द्वारा अनुरोधित सेवाओं के निपटान में तेजी लाना, भूमि प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर व्यापार करने में आसानी के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना भी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने के लिए मिशन के समर्पण पर जोर देते हुए उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया।

गुवाहाटी के सबसे ...

किलोमीटर तक फैला होगा, न केवल शहरी गतिशीलता में सुधार के लिए राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, बल्कि प्रगति का प्रतीक भी है, जो भारत में दूसरा सबसे लंबा फ्लाईओवर है। 853 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ, इस चार-लेन वास्तुशिल्प चमत्कार से शहर में दो महत्वपूर्ण बिंदुओं के बीच यातायात के प्रवाह को सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलेगा और इसके निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। इस नए फ्लाईओवर के निर्माण के निर्णय की घोषणा जोरहाट में असम कैबिनेट की बैठक के बाद की गई, जो तेजी से शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह परियोजना एक बड़ी पहल का हिस्सा है जिसमें पूरे असम में कई अन्य फ्लाईओवर और पुलों का निर्माण शामिल है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के परिवहन परिदृश्य को बदलना है। जैसे ही आधारशिला रखी जाती है, गुवाहाटी के लोग एक ऐसी संरचना के उदय को देखने के लिए उत्सुक हो सकते हैं जो न केवल शहर की यातायात समस्याओं को कम करेगी, बल्कि उन्नत अवसरों और विकास के प्रवेश द्वार के रूप में भी काम करेगी।

राम मंदिर के ...

के फर्जीवाड़े को उजागर किया है, जिसमें चंदा देने वालों को शिकार बनाया जा रहा है। वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दो पोस्ट शेयर की है। इन पोस्ट में उन्होंने कर कोड का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए बताया है कि कई लोग श्री राम मंदिर निर्माण के लिए फर्जी तरीके से क्यूआर कोड जनरेट कर रहे हैं। फोटो शेयर करा उन्होंने लिखा कि श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के नाम से फर्जी आईडी बनाकर लोग पैसा ठगने का काम कर रहे हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने बताया कि इस तरह का काम करने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में किसी भी संस्था को अधिकृत नहीं किया है। उन्होंने अपील की है कि दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें। वीएचपी नेता ने लोगों से अपील की है कि अन अधिकृत ग्रुप और व्यक्तियों को किसी भी तरह का दान ना दे। विनोद बंसल ने एक चेतावनी जारी कर भक्तों को दान देने से पहले सचेत रहने को कहा है। दरअसल इन दिनों अयोध्या मंदिर के नाम पर दान मांगने वाले कई फर्जी संदेश सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। ऐसी फर्जी संदेशों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है ताकि लोग खुद को धोखाधड़ी का शिकार होने से बचा सके। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के अध्यक्ष आलोक कुमार और वीएचपी के अन्य सदस्यों ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी को भी आमंत्रित किया गया था।

अब रहने दो के ...

मूल्य, जो 2016-17 में 1,521 करोड़ रुपए था, 2022-23 में लगभग 10 गुना बढ़कर 15,920 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। राजनाथ सिंह ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए वर्तमान सरकार के सक्रिय रवैये के बारे में विस्तार से बताया। विश्वसनीयता के संकट को आत्मविश्वास की संस्कृति से बदलने को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब *रहने दो* दृष्टिकोण के प्रति सहिष्णु नहीं है। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत *आओ-करें* दृष्टिकोण में विश्वास करता है। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने सेना सहित सभी क्षेत्रों में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। आज देश में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। लड़ाकू विमानों से लेकर चंद्रयान तक ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें महिलाओं की उपस्थिति न देखी गई हो। देश को विकसित भारत बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को आर्थिक और सैन्य महाशक्ति बनाने का विचार प्रतिभाशाली युवाओं की क्षमताओं में विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, हमारी सरकार ने स्टार्ट-अप संस्कृति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है। रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में मंत्रालय की ओर से शुरू की गई स्टार्टअप संस्कृति का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स) अपनी स्थापना के बाद से ही नवीन विचारों को सफलतापूर्वक बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहाकि युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के विभिन्न प्रयासों के कारण आज देश में एक लाख से अधिक स्टार्ट-अप हैं।

केंद्र सरकार ने ...

कि संगठन को जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखते और भारत विरोधी दुष्प्रचार करते हुए पाया गया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हर व्यक्ति या संगठन की साजिश को *आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने* की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति के तहत विफल कर दिया जाएगा। शाह ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि तहरीक-ए-हुर्रियत, जम्मू-कश्मीर (टीईएच) को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत एक *गैरकानूनी संगठन* घोषित किया गया है। यह संगठन जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने और इस्लामिक शासन स्थापित करने की निषिद्ध गतिविधियों में शामिल है। पाकिस्तान समर्थक इस समूह का नेतृत्व पहले दिवंगत अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के हाथों में था। इसके बाद इसका नेतृत्व मसर्रत आलम भट के पास आ गया। भट को भारत विरोधी और पाकिस्तान के समर्थन में एजेंडा चलाने के लिए जाना जाता है। भट फिलहाल जेल में है और उसकी पार्टी मुस्लिम लीग ऑफ जम्मू-कश्मीर को 27 दिसंबर को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया गया था। भारत सरकार ने तहरीक-ए-हुर्रियत संगठन की भारत विरोधी गतिविधियों के कारण संगठन पर बैन लगाया है। भारत सरकार ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी विचारधारा फैलाने का काम संगठन कर रहा था। संगठन आतंकियों को श्रद्धंजलि देता था और पत्थरबाजी को बढ़ावा दे रहा था। भारत के कानून का पालन करने में भी संगठन के लोगों की दिलचस्पी नहीं है।

इजराइल-हमास युद्ध ...

से नहीं हो सका। द न्यूयॉक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस वजह से कई हफ्ते तक कोलंबिया विश्वविद्यालय और अन्य परिसरों में तनाव रहा। एक यहूदी छात्र ने कहा कि बंधकों के पोस्टर लगाने के बाद उस पर हमला किया गया। इजराइल और फिलिस्तीन समर्थक छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले से शिक्षण कार्य चरमरा गया। हार्वर्ड और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में भी कुछ हफ्ते तक तनाव रहा। इस टकराव में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी और हार्वर्ड अध्यक्ष कई हफ्तों तक विवादों में घिरे रहे। नवंबर में कोलंबिया विश्वविद्यालय प्रशासन ने असाधारण निर्णय लेते हुए दो फिलिस्तीनी समर्थक छात्र समूहों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया।

गणतंत्र दिवस परेड ...

परेड में पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल की झांकियों को शामिल न किए जाने के बावत रक्षा मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि झांकियों का चयन करने के लिए पहले से ही एक प्रणाली है, जिसके अनुसार रक्षा मंत्रालय सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी), केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों से झांकी के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है। झांकी के लिए मिले प्रस्तावों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति की कई दौर की बैठकों में किया जाता है। इस समिति में कला, संस्कृति, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, वास्तुकला, कोरियोग्राफी आदि के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक विशेषज्ञ समिति की बैठक के पहले तीन दौर में पंजाब की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया था। तीसरे दौर की बैठक के बाद पंजाब की झांकी को इस बार के विषयों के अनुरूप नहीं होने के कारण प्रस्ताव को आगे विचार के लिए आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इसी तरह विशेषज्ञ समिति की बैठक के पहले दो दौर में पश्चिम बंगाल की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया था। दूसरे दौर की बैठक के बाद पश्चिम बंगाल के प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया कि पंजाब की झांकी को 2017 से 2022 तक छह बार, जबकि पश्चिम बंगाल की झांकी को 2016, 2017, 2019, 2021 और 2023 में यानी पांच बार गणतंत्र दिवस परेड के लिए चुना गया था। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश के सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार किया जाना है, इसलिए, यह आवश्यक है कि अन्य राज्यों को भी अपनी झांकियां प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाना चाहिए। भारत सरकार सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को गणतंत्र दिवस परेड में शामिल करने के लिए तीन साल का कार्यक्रम तैयार कर रही है, जिसे उन सभी के साथ साझा किया जाएगा। देश के 30 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल 15-16 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को गणतंत्र दिवस परेड में अपनी झांकी प्रस्तुत करने के लिए अंतिम रूप से चुना गया है। मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया है कि पंजाब और दिल्ली ने भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार उन्हें अगले तीन साल में एक बार मौका दिया जाना है। इस वर्ष दोनों राज्यों की झांकियां शामिल नहीं की गई हैं। इस बार जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को गणतंत्र दिवस परेड के लिए नहीं चुना गया है, उन्हें 23-31 जनवरी के दौरान लाल किले में होने वाले भारत पर्व में अपनी झांकी दिखाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

बिहार में कोरोना ...

जानकारी के लिए तमाम रिपोर्ट को जांच के लिए पटना भेजा गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि परिजनों के अनुसार, बच्ची एक रिश्तेदार के यहां किसी कार्यक्रम में गया के शेरघाटी गई हुई थी। कार्यक्रम में गया और आसनसोल समेत अन्य शहरों के लोग भी शामिल हुए थे, जहां उसकी तबीयत खराब होने लगी। उसे 25 दिसम्बर को जमुहार के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जांच में कोरोना का रिपोर्ट पॉजिटिव पाया गया था। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसके परिजनों और गांव के आसपास के लोगों का भी कोरोना जांच कराया गया लेकिन किसी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव नहीं आई। वैसे पूरी तरह से सतर्कता बरती जा रही है।

वर्ष 2023 में वैश्विक...

टिकाऊ भविष्य के लिए करने का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के विशाल नॉर्थ लॉन में ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व करते हुए मोदी ने कहा कि आइए हम एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य के लक्ष्य को साकार करने के लिए एक साथ हाथ मिलाएं। मोदी ने नौ साल पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव दिया था। जयशंकर ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्चस्तरीय सत्र में संकटों के प्रभावी समाधान खोजने के लिए एकता, कूटनीति और वार्ता को अपनाने के भारत के आह्वान को दोहराया था। यूएनजीए के प्रतिष्ठित व्याख्यान में भारत का नमस्ते के साथ वैश्विक नेताओं का अभिवादन करते हुए जयशंकर ने कहा कि दुनिया उथल-पुथल का एक असाधारण दौर देख रही है और कोविड-19 महामारी के प्रभाव तथा जारी संघर्षों, तनातनी और विवादों के प्रभाव से तनाव बढ़ गया है। जयशंकर ने वैश्विक नेताओं से कहा कि दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन ने पुष्टि की कि कूटनीति और वार्ता ही एकमात्र प्रभावी समाधान है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में विविधता है और यदि हम मतभेदों को दूर नहीं कर सके तो विविधिताओं का जरूर ध्यान रखना चाहिए। वे दिन अब चले गए जब कुछ राष्ट्र एजेंडा निर्धारित करते थे और दूसरों से उसके अनुरूप चलने की की अपेक्षा करते थे। संयुक्त राष्ट्र और खासकर सुरक्षा परिषद जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार का आह्वान विश्व निकाय के शीर्ष स्तर से किया गया जब महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने शक्तिशाली 15 देशों वाले संयुक्त राष्ट्र निकाय में आज की दुनिया के अनुरूप और समता आधारित सुधार करने के लिए कहा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने उच्चस्तरीय यूएनजीए सत्र में विश्व नेताओं से कहा कि सुरक्षा परिषद 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करती है और इसके समस्या हल करने के बजाय समस्या का हिस्सा बनने का जोखिम है। वैश्विक संकट के समय कार्रवाई करने में सुरक्षा परिषद की विफलता यूक्रेन संघर्ष के दौरान और फिर हमास द्वारा इजराइल पर सात अक्तूबर को किए गए आतंकवादी हमलों के बाद स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुई। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष निकाय की वर्तमान संरचना की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि क्या 1945 की सुरक्षा व्यवस्था वर्ष 2023 में काम करेगी। कंबोज ने कहा कि यदि *ट्रिलियन डॉलर* का सवाल शांति सुनिश्चित करना है, तो क्या हमारे पास वर्तमान समय और समकालीन वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाला शांति सुनिश्चित करने का बुनियादी ढांचा है?

रूस पर क्लस्टर ...

शनिवार को यूक्रेन के 32 ड्रोन मार गिराए। ये ड्रोन रूस के मॉस्को, ब्राइंस्क, ओरिओल और कुर्स्क इलाके की तरफ बढ़ रहे थे। वहीं, मंत्रालय की एयरक्राफ्ट यूनिट ने दावा किया है कि उन्होंने शुक्रवार को भी बेलगोरेद शहर पर दागे गए 13 यूक्रेनी रॉकेट तबाह किए थे। शनिवार को हुए हमले पर ह्व में यूक्रेन के राजदूत सेरही द्वोरनिक ने कहा है कि जब तक रूस का तानाशाह जंग जारी रखेगा, तब तक लोग मरते रहेंगे। वहीं, ब्रिटेन के राजनयिक थोमस फिप्स ने रूस में लोगों की मौत पर दुख जाहिर किया। हालांकि उन्होंने रूस को ही इसका जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अगर रूस किसी को 21 लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराना चाहता है तो वो राष्ट्रपति पुतिन होने चाहिए। रूस में यूक्रेन का कोई सैनिक नहीं है, लेकिन यूक्रेन में रूस के हजारों सैनिक मौजूद हैं। क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसे हवा में रिलीज करने पर उसमें से कई छोटे-छोटे बम निकलते हैं। ये छोटे बम साधारण बमों की तुलना में ज्यादा इलाके को प्रभावित करते हैं। ये खतरनाक इसलिए माने जाते हैं क्योंकि मुख्य बम से निकलने वाले कई सारे छोटे विस्फोटक निर्धारित लक्ष्य के आसपास भी नुकसान पहुंचाते हैं। ज्यादातर मामलों में इनकी चपेट में आम नागरिक ही आते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों के जरिए आसमान और तोपों के जरिए जमीन से भी दागा जा सकता है। बम के फटने के बाद आसपास गिरने वाले छोटे विस्फोटक लंबे समय तक पड़े रह सकते हैं। ऐसे में जंग खत्म होने के बाद भी इनकी चपेट में आने से जान जा सकती है। यह विरोधी सैनिकों को मारने या उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। जुलाई 2023 में अमेरिका ने बताया था कि वो यूक्रेन को क्लस्टर बम भेज रहा है। अमेरिका के इस फैसले का यूक्रेन का साथ देने वाले देशों ने भी विरोध किया था। पुतिन ने कहा था कि अमेरिका के सारे हथियार खत्म हो गए हैं, इसलिए वो अब यूक्रेन को प्रतिबंधित हथियार सप्लाई कर रहा है। रूसी टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में पुतिन ने कहा था कि अगर यूक्रेन हमारे खिलाफ क्लस्टर बमों का इस्तेमाल करेगा तो हम भी इसका कड़ा जवाब देंगे। रूस के पास भी क्लस्टर बम हैं, पर उसने अभी तक जंग में उनका इस्तेमाल नहीं किया है। हालांकि कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों ही देश एक-दूसरे के खिलाफ जंग में क्लस्टर बमों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बलूचिस्तान में पुलिस ...

से गुजर रहे 10 और 12 वर्ष के दो बच्चों की मौत हो गई। धमाके में घायल चार अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बलूचिस्तान में आतंकवादी अक्सर सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाते हैं।

गोलकगंज के रतियादह में भारी मात्रा में फैंसिडिल जब्त, एक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत के गोलकगंज के रतियादह में भारी मात्रा में फेंसिडिल जब्त किया गया है। इस संबंध में एक तस्कर साहिदुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गोलकगंज के रतियादह में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर पुलिस बैरिकेड्स पर गोलकगंज पुलिस द्वारा नियमित तलाशी के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप फेंसिडिल जब्त किया गया। बिना नंबर प्लेट की बोलेरो पिकअप वैन से 600 बोतल फैंसिडिल जब्त की गई। पिक अप वैन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से धुबड़ी के गौरीपुर की ओर जा रही थी। गोलकगंज के रतियादह में राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर बैरिकेड्स पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस ने आज सुबह पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से गौरीपुर की ओर जा रही बिना नंबर प्लेटल की बोलेरो पिकअप वैन को रोकने का आदेश दिया। वैन को रोककर वाहन में सवार दो लोग भाग गए। हालांकि, पुलिस पीछा कर एक तस्कर को पकड़ने में कामयाब रही। पुलिस ने बाद में वाहन की तलाशी ली तो वाहन की सीट के नीचे से छुपाकर लायी गयी फेंसीडिल की 600 बोतलें जब्त कीं। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मानकचार के जोरडांगा-2 खंड निवासी शाहिदुल इस्लाम के रूप में हुई है। तस्कर ने कहा कि फेंसिडिल को ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर से शकील नाम के एक व्यक्ति के पास ले जाया जा रहा था।

चापर के निकटवर्ती शांतिनगर गांव में मवेशियों से भरा वाहन जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले में बिलासीपाड़ा पुलिस ने तस्करों के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती देर रात को चलाये गये अभियान में पुलिस ने तस्करों का पीछा कर अवैध रूप से मवेशियों को लेकर जा रहे बोलेरो वाहन को जब्त कर लिया। बोलेरो वाहन बिलासीपाड़ा से चापर की ओर जा रहा था। बिलासीपाड़ा पुलिस ने तेज रफ्तार वाहन का पीछा किया और चापर के निकटवर्ती शांतिनगर गांव से मवेशियों से भरे वाहन को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। गांव के अंदर सड़क नहीं होने के चलते तस्कर पुलिस से बचने की जल्दबाजी में गांव के एक घर को वाहन से टक्कर मारने के बाद फरार हो गए। वाहन की चपेट में आने से घर को कुछ नुकसान पहुंचा है। अंत में चापर पुलिस की मदद से बिलासीपाड़ा पुलिस ने तस्करी की गई छह गायों के साथ बोलेरो वाहन (एएस-17बी-5654) को जब्त कर लिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है। गौरतलब है कि बिलासीपाड़ा उपमंडल में लंबे समय से तस्करों द्वारा पशु सिंडिकेट चलाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने संदेह जताया है कि बांग्लादेश में तस्करी के जरिए मवेशियों को ले जाया जाता है।

भारी मात्रा में बर्मीज सुपारी जब्त

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने पड़ोसी राज्य मणिपुर में भारी मात्रा में बर्मीज (म्यांमार) सुपारी जब्त की है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सुपारी को म्यांमार से भारत में लाकर अन्य राज्यों में तस्करी के लिए छुपाकर रखे गये स्थान से जब्त किया गया। असम राइफल्स ने मणिपुर के कामजोंग जिले के नामली और वांगली गांवों में छापेमारी के दौरान बर्मीज सुपारी के 6,785 बोरे जब्त किए। असम राइफल्स ने कहा कि जब्त सुपारी की कीमत करीब 46.90 करोड़ रुपए है। भारी मात्रा में सुपारी जब्त होने के बावजूद किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। असम रायफल्स ने जब्त सुपारी को कानूनी कार्रवाई के लिए मणिपुर पुलिस को सौंप दिया है।

डिमा हसाउ पहाड़ी जिला परिषद चुनाव को लेकर प्रचार तेज

डिमा हसाउ हिंस)। डिमा हसाउ जिले में स्वायत्त परिषद के चुनाव आठ जनवरी को होंगे। डिमा हसाउ जिले में परिषद चुनाव को लेकर प्रचार अभियान काफी तेज हो गया है। सत्ताधारी पार्टी भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा से लेकर मंत्री पीयूष हजारिका तक हर कोई इस परिषद चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बार डिमा हसाउ के चुनाव में कुछ विपरीत चित्र देखने को मिल रहा है। डिमा हसाउ पहाड़ी जिले परिषद की कुल 28 निर्वाचन क्षेत्र हैं। भाजपा उम्मीदवार पहले ही बिना प्रतिद्वंद्विता के छह निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज कर चुके हैं। इस बीच, उत्साहित भाजपा का कहना है कि इस बार के स्वायत परिषद चुनाव कराना इतना मुश्किल नहीं होगा, लेकिन दो निर्वाचन क्षेत्रों में, वह पूरी तरह से आत्मनिर्भर नहीं है, जिनमें से एक गरमपानी निर्वाचन क्षेत्र है। भाजपा आज तक इस निर्वाचन क्षेत्र में कमल नहीं खिला सकी है। यही कारण है कि इस बार भाजपा ने निर्वाचन क्षेत्र में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा द्वारा भेजी गई टीम गरमपानी में डेरा डाले हुए है। डिमा हसाउ स्वायत्त परिषद के प्रमुख देवलाल गार्लोसा गरमपानी निर्वाचन क्षेत्र में शमसिंग इंग्ती के लिए प्रचार कर रहे हैं। एक चुनावी सभा में भाजपा समर्थकों की भीड़ देखने को मिली। उपस्थित समर्थकों से बात करते हुए, सीईएम देवोलाल गार्लोसा ने स्वायत्त परिषद द्वारा पिछले सात वर्षों में भाजपा द्वारा किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे केवल नाम देखकर मतदान न करें काम देखकर वोट दें।

भारतीय अटल सेवा राष्ट्रवादी महिला मोर्चा का अटल सेवा सप्ताह संपन्न

वृद्धजनों के साथ सदस्यों ने बांटी खुशियां

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय अटल सेवा राष्ट्रवादी महिला मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित राष्ट्र अटल सेवा सप्ताह का समापन रविवार को हुआ संस्था की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा के नेतृत्व में पहले पड़ा स्थित हेल्पिंग हैंड ओल्ड एज होम में रह रहे वृद्ध जनों के साथ नव वर्ष की खुशियां भी बांटी गई एवं उनका पूनम गमछा से अभिनंदन किया गया। अटल सेवा सप्ताह के तहत आयोजित मानव सेवा कार्यों के तहत वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए संस्था की ओर से टोपी, बैग, मोजे, चप्पल, राशन सहित जरूरत की अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराई गई। वृद्धजनों के मनोरंजन के लिए संस्था की ओर से कई तरह के खेल खिलाए गए एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस दौरान अटल सेवा सप्ताह के लिए पिछले सप्ताह भर से लगी सदस्याओ को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सयोंजीका रेखा गोयल, सपना सराफ, निर्मला पारीक, इद्रा जिंदल, अनिता अग्रवाल, दीपू जोशी के अलावा माया शर्मा, मीना सोनी, सरोज जोशी, शांति कुंडलिया, सरला बजाज, बिना जैन, दीपिका अग्रवाल, मधु लूणीया, ममता शर्मा, अनिता गुप्ता आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

बिश्वजीत दैमारी ने अल्फा-सरकार के बीच हुए शांति समझौते का किया स्वागत

उदालगुड़ी हिंस)। असम विधानसभा के अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने बहुप्रतीक्षित अल्फा-सरकार के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत किया है। दैमारी को उम्मीद है कि शांति समझौते से एक समस्या हल हो गई है और इससे असम के विकास में तेजी आएगी। यह स्वीकार करते हुए कि समझौते में कई पहलुओं को शामिल नहीं किया गया है, दैमारी को उम्मीद है कि अगर परेश बरुवा (अल्फा-स्वा) चर्चा में आते हैं, तो शेष समस्याओं को भी बातचीत की मेज पर उठाया जाएगा और सरकार इसे हल करेगी। दैमारी ने परेश बरुवा को भी बातचीत की मेज पर आमंत्रित किया। उन्होंने कहा किअल्फा के संघर्ष ने सामाजिक माहौल को बाधित कर दिया है। अध्यक्ष दैमारी ने परेश बरुवा से संघर्ष को बातचीत के माध्यम से हल करने का आग्रह किया, जिसने युवाओं को गुमराह किया है। उन्होंने लुरिनज्योति गोगोई के इस आरोप का भी जवाब दिया कि शांति समझौते का राजनीतिकरण किया गया। राजनीति हर जगह होती है, यह दावा करते हुए कि सरकार ने सद्भावना के साथ यह समझौता किया है। विधानसभा अध्यक्ष दैमारी ने यह भी पूछा कि बिना राजनीति के समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता है।

मणिपुर पुलिस ने 204 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता, विधायिकाधीन) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 204 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 237 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 256 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

वर्ष के अंतिम दिन पूर्वोत्तर के पिकनिक स्पॉटों पर भारी भीड़

गुवाहाटी (हिंस)। साल के आखिरी दिन आज पिकनिक स्पॉटों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गयी। राज्य भर में पिकनिक पार्टियां परिवार और दोस्तों के साथ खुशी और आनंद मनाते हुए नए साल का स्वागत करने के लिए एकजुट हुए। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर के नगालैंड, मिजोरम, मेघालय राज्य ईसाई बहुल होने के कारण चर्च और लोगों के घरों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और असम में भी ईसाई धर्मावलंबियों के साथ ही अन्य धर्मों के लोग भी नए वर्ष का स्वागत अपने-अपने तरीके से करने की तैयारी की है। असम में प्रशासन भी नए वर्ष के उत्साह में विघ्न न पड़े इसको लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। खासकर नशे में धुत होकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध प्रशासन विशेष चौकसी बरत रहा है, ताकि वर्ष के पहले दिन सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके है। वहीं दूसरी ओर असम समते पूरे पूर्वोत्तर में पिकनिक मनाने की एक परंपरा कायम है। यही कारण है कि वर्ष के अंतिम दिन और वर्ष के पहले दिन पिकनिक स्पॉटों पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ चिरांग जिले में भूमेश्वर पहाड़ की तलहटी में कुजिया नदी के तट पर भी लोगों की भीड़ पिकिनिक मनाने के लिए उमड़ी हुई है। वहीं गुवाहाटी और पड़ोसी राज्य मेघालय के पिकनिक स्पॉटों पर भी लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ आनंद लेने के लिए सुबह से ही पहुंचे हुए हैं।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई औपचारिक सूचना के अनुसार सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल और कांगपोकपी जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान इंफाल पूर्वी जिले के पुरुम लिक्ली हिल के शीर्ष पर लीतनपोकपी के मदर रिजलाइन में 12 बंकर नष्ट कर दिए गए और निम्नलिखित सामान बरामद किए गए, कांगपोकपी जिले से 1 सीएमजी, 9 एचई 36 नंबर के हैंड ग्रेनेड, 15 ट्यूब लॉन्चिंग, 12 ट्यूब लॉन्चिंग रिंग, 12 एचडी कार्टिज, 4 ग्रेनेड कैप्स, 36 नंबर के 16पुराने हथगोले, 1 ग्रेनेड कुंजी, 36 मिनी फ्लेयर ग्रीन कारतूस बरामद किए गए। वहीं, थौबल जिले से 1 देश निर्मित 303 राइफल बिना मैगजीन के, 1 स्टन गन, 3 स्टन शेल, 2 टियर स्मोक शेल सॉफ्ट नोज, 1 टियर स्मोक शेल, 1 स्टन ग्रेनेड, 2 चाइनीज हैंड ग्रेनेड, 36 एचई 2 ग्रेनेड, 90 नं. के 2 ग्रेनेड, 1 चीनी वॉकी टॉकी, 1 मोटोरोला हैंडसेट, 1 बुलेट प्रूफ प्लेट, 1 बुलेट प्रूफ जैकेट, 9 मिमी की 2 सीएमजी मैगजीन, 303 बोर का एलएमजी के 1 मैगजीन, 5 एके सिरिज का कारतूस, 303 राइफल की 3 गोलियां, 1 स्मोक ग्रेनेड डब्ल्यूपी बरामद किए गए हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मायुमं ग्रेटर के तत्वाधान में डॉ. कुमार विश्वास का मोटिवेशनल कार्यक्रम

मारवाड़ी समाज का गौरव व सम्मान का कार्यक्रम हैं *अपने अपने राम* : अशोक धानुका

गुवाहाटी (विभास)। युवा पीढ़ी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श एवं त्याग से रूबरू कराने के उद्देश्य से श्री गौहाटी गौशाला की पुण्य भूमि पर आगामी 2 फरवरी से प्रेरणादायक (मोटिवेशनल) आयोजन *अपने-अपने राम* का भव्य कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के बैनर तले आयोजित होने वाले तीन दिवसीय इस विराट कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आठगांव स्थित होटल मिलेनियम में किया गया। इस बैठक में आयोजन समिति में शामिल मारवाड़ी समाज के सभी प्रोबोध नागरिक सहित युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष राम भट्टर ने करते हुए सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात आयोजन समिति से पेट्रोन सदस्य विजय सिंह डागा ने अपने दशकों पुराने अनुभव के आधार पर युवाओं को मूल मंत्र देते हुए कहा की इस विराट आयोजन को अगर सफल बनाना है तो हमे अनुशासन, समर्पण, सकारकमकता व सहयोग के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा की मारवाड़ी युवा मंच ने जो बीड़ा उठाया है वह अद्भुत, अनुकरणीय व प्रशंसनीय है। ऐसे में उन्होंने सभी से इस कार्यक्रम में अपने पूरे परिवार के साथ गौशाला के वृंदावन गार्डन में पहुंचकर सुनने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित श्री गौहाटी गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज तथा आयोजन समिति के पेट्रोन डॉ. अशोक धानुक ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच का नहीं बल्कि पूरे मारवाड़ी समाज के गौरव और सम्मान का कार्यक्रम हैं अपने अपने राम। उन्होंने युवा सदस्यों की सोच की दात देते हुए कहा कि इस आयोजन से आज के युवाओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी सनातन धर्म के मार्ग से कुछ विमुख हो चुकी है, जिन्हें इस तरह के आयोजनों के माध्यम से पुन: धर्म के प्रति आस्था के मार्ग पर लाया जा सकता हैं। अपने-अपने राम कार्यक्रम के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को अपने भीतर सनातन धर्म, संस्कृति, संस्कार व सत्कार की ज्योत जगाने में का सुनहरा मौका मिलेगा। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक राहुल अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार पूर्वक समझते हुए कहा कि अपने अपने राम नामक तीन दिवसीय मोटिवेशनल कार्यक्रम की गरिमा एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु जल्द ही पास उपलब्ध होंगे। प्रवेश पत्र के माध्यम से ही वृंदावन गार्डन में जाने की अनुमति दी जाएगी। इस मौके पर मंच पर मुख्य प्रायोजक निर्मल श्यामसुखा, युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेड़, कार्यक्रम के उप संयोजक अजय वर्मा व विनोद सोनी मौजूद थे। इस बैठक मे अपने-अपने राम कार्यक्रम के प्रायोजक, सलाहकार एवं आयोजन समिति से जुड़े सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे, जिससे इस विराट आयोजन को यादगार व सफल बनाया जा सके। इस बैठक का संचालन ग्रेटर शाखा के सचिव हितेश चोपड़ा ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सहसंयोजक मनीष अग्रवाल ने दिया।

प्रतिष्ठित एनसीडीएफआई ई-मार्केट अवार्ड्स 2023 से पूरबी डेयरी सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर्स को-ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड को केंद्रीय गृह तथा सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह द्वारा एनसीडीएफआई ई-मार्केट अवार्ड्स 2023 से सम्मानित किया गया। यह पूरबी डेयरी के लिए एक शानदार उपलब्धि है। यह पुरस्कार 2023 में डब्ल्यूएएमयूएल को उसके द्वारा नेशनल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीडीएफआई) लिमिटेड ई-मार्केट में शानदार प्रदर्शन के लिए मिला है। 30 दिसंबर, 2023 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित एक समारोह के दौरान डब्ल्यूएएमयूएल की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह और डब्ल्यूएएमयूएल के प्रबंध निदेशक एसबी बोस ने यह सम्मान प्राप्त किया। एनसीडीएफआई लिमिटेड के मुख्यालय के शिलान्यास के कार्यक्रम के मौके पर यह पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गुजरात विधान सभा अध्यक्ष शंकर चौधरी, इफको के अध्यक्ष दिलीप संघाई और एनसीडीएफआई के अध्यक्ष डॉ. मंगल राय सहित सहित कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में राष्ट्र के लिए बहुआयामी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहकारी डेयरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। सहकारी दूध व्यापार के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने समाज, कृषि, गांवों, दूध उत्पादकों और देश के लिए इसके बड़े पैमाने पर पड़ने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। शाह ने सभी सहकारी समितियों से 100 प्रतिशत बैंक हस्तांतरण में परिवर्तन करने का आग्रह किया, जो संयोग से डब्ल्यूएएमयूएल द्वारा पहले ही हासिल किया जा चुका है। यह असम के 9 जिलों के 700 डेयरी सहकारी समितियों के तहत लगभग 30,000 डेयरी किसानों को आजीविका प्रदान करने में मदद करने में सबसे आगे रहा है। दूध उत्पादन में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत के वैश्विक नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने पिछले 8 वर्षों में दुनिया में सबसे अधिक 51 प्रतिशत दूध उत्पादन की उल्लेखनीय वृद्धि के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को श्रेय दिया। संगठन द्वारा अपने खाते में एक और उपलब्धि जोड़ने पर डब्ल्यूएएमयूएल के प्रबंध निदेशक एसबी बोस ने कहा कि असम के डेयरी किसानों के लिए यह सम्मान की बात है कि डब्ल्यूएएमयूएल और उनके अपने ब्रांड *पूरबी* को असम राज्य में डेयरी सहकारी क्षेत्र के विकास में इसकी सक्रिय भागीदारी और शानदार प्रदर्शन के लिए माननीय केंद्रीय सहकारिता मंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा प्रतिष्ठित एनसीडीएफआई ई-मार्केट अवार्ड 2022-23 पुरस्कार मिला है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करना पूरे पूरबी डेयरी परिवार के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है। यह हमारे समर्पित डेयरी किसानों के लिए एक समृद्ध बाजार प्रदान करने और हमारे मूल्यवान उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम नई पहलों के माध्यम से कृषक समुदाय को सशक्त बनाने और सहकारी क्षेत्र के सतत विकास में योगदान देने के अपने मिशन पर दृढ़ बने हुए हैं। श्री बोस आगे कहते हैं, माननीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के संबोधन से यह जानकर बहुत खुशी हुई कि वह अच्छी तरह से जानते हैं और एनडीडीबी की मदद से असम में डेयरी विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सहकारी डेयरी को ऐसे स्थानों पर ले जाने के लिए एनडीडीबी और इसके अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह द्वारा की गई पहल और प्रयासों की सराहना की जहां यह अभी तक डेयरी क्षेत्र जहां यह अच्छी तरह से विकसित नहीं हुआ है। क्षेत्र की सबसे बड़ी डेयरी सहकारी संस्था के रूप में, पूरबी डेयरी ने न केवल अपने डेयरी किसानों के लिए साल भर लाभकारी बाजार सुनिश्चित किया है बल्कि उपभोक्ताओं को गुणवत्ता-आधारित किफायती उत्पाद भी उपलब्ध कराए हैं। एक व्यापक सोच को अपनाते हुए पूरबी डेयरी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें मधुमक्खी पालन और शहद संचयन जैसी विभिन्न संबंधित गतिविधियों में ट्रेनिंग देने के लिए वर्कशॉप आयोजित की हैं। भारत सरकार, असम सरकार और एनडीडीबी और एनसीडीएफआई जैसे संस्थानों के समर्थन और प्रोत्साहन के साथ, टीम पूरबी ने पहले ही अपनी क्षमता प्रदर्शन किया है ।

हर प्रभात सुप्रभात बने : आचार्य प्रमुख सागर महाराज

गुवाहाटी। 2024 आपका स्वागत कर रहा है आपको अपने वसंत में समाहित करने को तैयार है। नया साल बहुत सारी खुशियां लेकर आ रहा है क्योंकि 2024 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550वां निर्माण महोत्सव के रूप में अमृत महोत्सव के रूप में अमृत वर्षा करने आ रहा हैं। तथा भगवान राम की स्थापना उनके जन्मभूमि अयोध्या कर रहा है। पूरे देश में हिंदूतत्व, जैनतत्व, मानवता का पंचम फहराने आ रहा है। इस अमृत वर्ष में हम अच्छे संकल्प के रूप में शुरुआत करें मानवता का धर्म, प्रेम-दया का धर्म,जन-जन तक पहुंचाएं ताकि आत्म कल्याण की भावना आए। आपने कहा कि दो बातों का ख्याल रखें एक अहम और दूसरा बहम यह दोनों बातें इंसान को एक दूसरे से दूर कर देती। इसलिए अपने अहम को दूर करना और एक दूसरे पर विश्वास करना तो यह नया साल आपका मंगलमय होगा। यह उक्त बातें आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने रविवार को भगवान महावीर धर्मस्थल में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा कि यह नया वर्ष पूरे विश्व के लिए भी अच्छा हो और हमारी भारतीय संस्कृति जीवित रहे और विश्व में शांति का वातावरण बने एवं सुख शांति के साथ सभी अपना जीवन जिए। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया ने बताया कि सोमवार को आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के 72वें अवतरण दिवस एवं नव वर्ष के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रस विज्ञप्ति में दी गई है।

संपादकीया

दिल्ली समीक्षा से अपेक्षा

आगामी लोकसभा चुनाव की करवटों के बीच दिल्ली में कांग्रेस की मंत्रणा का सबूत बनकर हिमाचल से 33 नेताओं का जत्था, किस नए शपथपत्र पर हस्ताक्षर करेगा, यह देखना होगा। गिन कर केवल तीन राज्यों में अपनी सरकार चलाने वाली कांग्रेस के लिए चुनावी तस्वीर के कई पहलू हैं, जबकि इसके गणित में हिमाचल की गारंटियां भी गिनी जाएंगी। एक साल की सत्ता को लोकसभा जीत का परिणाम चाहिए तो सामने भाजपा की हर चाल से मुकाबला करने का संगठन और कार्यकर्ताओं का वजन चाहिए। दिल्ली गए तैंतीस नेता, अपने-अपने आश्वासन से कांग्रेस का सीना फुला सकते हैं, लेकिन इधर हिमाचल की पसलियों का दर्द न पार्टी और न ही सरकार ठीक से जानती है। यह नया दौर है जहां कांग्रेस को अपने नेतृत्व की कसौटी पर चार लोकसभा सीटों पर आधिपत्य स्थापित करना है। भाजपा से छीनी गई मंडी लोकसभा सीट पर वर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह की सियासी प्रतिभा का मुआयना होगा, तो कांगड़ा, हमीरपुर व शिमला में मुख्यमंत्री और सरकार के गठन को साबित करना है कि क्यों किसी संसदीय क्षेत्र से पांच, किसी से तीन और किसी से दो मंत्री चुने गए। इस तरह लोकसभा चुनाव की सबसे ताकतवर पिच शिमला होनी चाहिए जहां से आधा मंत्रिमंडल अपनी हैसियत का लोहा मनवा रहा है। हमीरपुर का ताज पहने स्वयं मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा अभी-अभी शरीक किए गए बिलासपुर से राजेश धर्माणी का वर्चस्व देखा जाएगा। कांगड़ा अभी आहों के सफर पर पहले ही वरिष्ठ नेताओं को उदास कर चुका है, तो मंत्रिमंडल की रिक्तता में नेताओं की पद लालसा और महत्त्वाकांक्षा से चुनाव की महत्त्वाकांक्षा कितनी जुड़ती है, देखना होगा। दिल्ली की समीक्षा में अब तक असफल रहे सुधीर शर्मा और राजेंद्र राणा से यह अपेक्षा है कि ये दोनों नेता अपनी वरिष्ठता के आधार पर चुनावी नैया के पतवार थामें। संगठन और सरकार के सामने समन्वय के प्रश्न उठते रहे हैं, तो चुनावी मौसम में न जाने संतुलन के किस आधार पर कांग्रेस को मतदाता से अपना सियासी हक मांगना है। कम से कम भाजपा की तैयारियों, नेताओं की होशियारियों और संगठन की क्यारियों के जोश का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को अन्त्य परीक्षण व परीक्षा की जरूरत दिखाई देती है। कांग्रेस का जत्था दिल्ली से शुभ संकेत पाना चाहता है, इसलिए घर की बुनियाद पर बड़े नेताओं का पलस्तर खोजा जा रहा है, जबकि भाजपा अपनी दिल्ली की राह को प्रदेश में खोज रही है।

> भाजपा से छीनी गई मंडी लोकसभा सीट पर वर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह की सियासी प्रतिभा का मुआयना होगा, तो कांगड़ा, हमीरपुर व शिमला में मुख्यमंत्री और सरकार के गठन को साबित करना है कि क्यों किसी संसदीय क्षेत्र से पांच, किसी से तीन और किसी से दो मंत्री चुने गए। इस तरह लोकसभा चुनाव की सबसे ताकतवर पिच शिमला होनी चाहिए जहां से आधा मंत्रिमंडल अपनी हैसियत का लोहा मनवा रहा है। हमीरपुर का ताज पहने स्वयं मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा अभी-अभी शरीक किए गए बिलासपुर से राजेश धर्माणी का वर्चस्व देखा जाएगा। कांगड़ा अभी आहों के सफर पर पहले ही वरिष्ठ नेताओं को उदास कर चुका है, तो मंत्रिमंडल की रिक्तता में नेताओं की पद लालसा और महत्त्वाकांक्षा से चुनाव की महत्त्वाकांक्षा कितनी जुड़ती है, देखना होगा। दिल्ली की समीक्षा में अब तक असफल रहे सुधीर शर्मा और राजेंद्र राणा से यह अपेक्षा है कि ये दोनों नेता अपनी वरिष्ठता के आधार पर चुनावी नैया के पतवार थामें। संगठन और सरकार के सामने समन्वय के प्रश्न उठते रहे हैं, तो चुनावी मौसम में न जाने संतुलन के किस आधार पर कांग्रेस को मतदाता से अपना सियासी हक मांगना है।

भाजपा ने बतौर संगठन जो कुछ हिमाचल में बटोरा है, उसके विपरीत कांग्रेस का आशियाना खामोश है। भाजपा केंद्र सरकार के प्रदर्शन पर एक ओर मोदीत्व को आगे बढ़ा रही है, जबकि दूसरी ओर अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का महोत्सव बांट रही है। बहरहाल हिमाचल कांग्रेस का कुनबा दिल्ली दरबार में शरणागत है। देखना यह है कि पार्टी अपनी चिंताओं, भीतरी घावों, सरकार की चुनौतियों-गारंटियों तथा विक्षुब्ध नेताओं की खामोशियों को कैसे साधती है। चुनावी जीत की मंशा, मंतव्य और मंत्रणा के बीच पार्टी के लिए उम्मीदवारों को चिन्हित करने की कवायद के ऊंट किस करवट बैठते हैं, यह माथापच्ची का विषय है। दूसरी ओर विधानसभा चुनाव के उत्साह, समीकरण और संस्करण को लोकसभा के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में जिंदा रखने की जरूरत है। बेशक राहुल गांधी अब राष्ट्रीय न्याय यात्रा के पदचिन्हों को चुनाव तक ले जाने की दिशा में खड़े हैं, लेकिन इधर हिमाचल में मंत्रिमंडल गठन की न्याय यात्रा अधूरी है। क्या अब भी कांगड़ा को कुछ कोस की यात्रा करने का अवसर मिलेगा या उच्छृंखल माहौल की तपती जमीन पर कुछ नेताओं का आक्रोश आगामी चुनाव से इबारत छीन लेगा। जाहिर तौर पर हिमाचल कांग्रेस और कांग्रेस सरकार के बीच कुछ दूरियां रही हैं और अगर इन्हें दिल्ली के भरोसे लगातार लटकाया जाता रहा, तो चुनाव की दीवारों पर गलत संदेश पढने को मिल सकते हैं। कांग्रेस की तरफ से प्रदेश सरकार और सरकार के बीच कई चेहरे दिखाई दे रहे हैं, लेकिन भाजपा के सामने पार्टी का संगठन अपनी पारी बाखूबी नहीं खेल रहा, तो कारण ढूंढ लेने चाहिएं।

तीनों राज्यों के लिए मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का चयन किया

भारतीय राजनीति में एक नया प्रयोग

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> अब भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति में एक नई रीत चला दी है। ऐसे-ऐसे लोग राजनीति में आगे आ रहे हैं जिनके बारे में जानने के लिए मीडिया वालों को गांवों में जाकर धक्के खाने पड़ रहे हैं। कौन हैं भजन लाल शर्मा? पिता जी क्या करते हैं? गांव में सडक़ भी है या नहीं? ऐसी कितनी जानकारियां जमा करनी पड़ रही हैं ताकि एक उम्दा सा लेख लिखा जा सके।

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत प्राप्त कर ली है। यह अपने आप में अब कोई बडी खबर नहीं है। लेकिन बड़ी खबर तब बनी जब पार्टी ने इन तीनों राज्यों के लिए मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों का चयन किया। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, मध्यप्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री बनाए गए। कहा जा रहा है कि जब राजनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री और हाल ही तक मुख्यमंत्री पद की सशक्त दावेदार वसुंधरा राजे के हाथ में एक पर्ची देते हुए कहा कि इसे पढ़ कर सुना दो ताकि पर्ची वाले को मुख्यमंत्री घोषित कर दिया जाए। पर्ची पढ़ते समय शायद वसुंधरा राजे को भी विश्वास नहीं हो रहा था कि भजन लाल शर्मा को पार्टी मुख्यमंत्री बना रही है। उनके चेहरे की रंगत से ऐसा ही आभास होता था। मुख्यमंत्री बने ये तीनों शख्स मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में शामिल भी नहीं थे। इस काम के लिए बुलाई गई बैठकों में भी वे पीछे की सफों में बैठे दिखाई दे रहे थे। राजस्थान में दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री का जिम्मा दिया गया। यह ठीक है कि दीया कुमारी का नाम मीडिया में मुख्यमंत्री के तौर पर चर्चा में रहा था, जिसका एक कारण उनका राज परिवार से ताल्लुक रखना भी था। लेकिन उसे उपमुख्यमंत्री होने का संतोष करना पड़ा। अलबत्ता प्रेम चंद किसी रेस में दूर दूर तक नहीं थे। राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा मध्य प्रदेश में उप मुख्यमंत्री बने। छत्तीसगढ़ में अरुण साव और विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री चुने गए। ये सब लोग कौन हैं और इससे भारत की राजनीति में परिवर्तन की दिशा कैसे दिखाई दे रही है? पिछले पचहत्तर साल से लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर ही देश की राजनीति का अंक पैट्रन विकसित हो गया था। राजनीति में धीरे धीरे एक अभिजात्य वर्ग उभर आया था जो देश की राजसत्ता के शिखर पर बैठ गया था। इस प्रक्रिया ने स्वाभाविक ही वंशवाद को जन्म दिया था। इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहिए था? क्योंकि वह जवाहर लाल नेहरु की बेटी थीं। ध्यान रहे वह लाल बहादुर शास्त्री के मंत्रिमंडल में महज राज्यमंत्री थीं। लेकिन राजीव गांधी को प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहिए था? क्योंकि वह इंदिरा गांधी के बेटे थे। प्रधानमंत्री बनने तक देश की राजनीति में उनका कोई स्थान नहीं था। वह एक पायलट थे। राजीव गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री कौन बने? गांधी-नेहरु राजपरिवार में उस समय कोई नहीं था। राजीव गांधी के बच्चे अभी छोटे थे। सोनिया गांधी बन नहीं सकती थीं। नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री तो बने, लेकिन पूरी कांग्रेस इस अप्रत्याशित घटना से भौंचक्की थी। संकट काल में मनमोहन सिंह को गद्दी पर बिठा कर कामचलाऊ व्यवस्था जरूर कर ली गई थी, लेकिन पूरी पार्टी इस बीच असहज ही रही। राहुल गांधी ने दो कैबिनेट द्वारा पारित एक अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़ कर मनमोहन सिंह की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया था। कांग्रेस में सहज स्थिति तब आई जब राजीव गांधी के दोनों बच्चे बड़े हो गए। तब स्वाभाविक ही उन्होंने गियर सम्भाल लिया। कहा जाता है, मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में यह सुझाव भी दिया गया था कि राहुल गांधी को मंत्रिपरिषद में लेकर शासन का कुछ अनुभव प्राप्त कर लेना चाहिए। लेकिन इसे भी राज परिवार में तौहीन की तरह ही देखा गया। वह भविष्य के प्रधानमंत्री हैं, किसी के अधीन मंत्री कैसे बन सकते हैं? भारतीय राजनीति की यह फेहरिस्त केवल नेहरु-गांधी राज परिवार तक ही सीमित नहीं है। राजनीति की यह आकाश बेल सब जगह दिखाई दे रही है। अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री क्यों बनना चाहिए? इसके उत्तर में अखिलेश की योग्यता या अयोग्यता की चर्चा नहीं होती। केवल एक ही योग्यता यह पद सम्भालने के लिए पर्याप्त है कि वह मुलायम सिंह जी के सुपुत्र हैं। फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के स्थायी मुख्यमंत्री का दावा किस आधार पर ठोंकते हैं? उनका एकमात्र आधार शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के पुत्र-पौत्र होने का है। ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी है कि उनका उत्तराधिकारी उनका भतीजा अभिषेक बनर्जी ही होगा। यही काम मायावती ने सार्वजनिक रूप से किया है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। लालू यादव ने तो संकट काल में अपनी पत्नी राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया था जिसका राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं था। जब किसी ने आपत्ति की तो लालू ने सहज भाव से ही जवाब दिया था कि अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री न बनाता तो भला किसकी पत्नी को बनाता? अब बच्चे सयाने हो गए हैं तो पारिवारिक परम्परा के अनुसार सभी को पुश्तैनी सम्पत्ति बांट कर खाली समय में आनंद के कनकौए उड़ा रहे हैं। बिटिया को उपहार में सांसदी दे दी है। दोनों बेटों को, जिनका पढने इत्यादि में मन नहीं लगता था, उन्हें उप मुख्यमंत्री बना दिया है। अपना कमाएं और खाएं। उधर झारखंड में शिबू सोरेन ने अपने बेटे हेमंत सोरेन को ताज पहना दिया है। सेहत थोड़ा गड़बड़ रहती है। पानी का बुलबुला है। जीते जी बेटे को कुंजी थमा दी है। यह करना बहुत जरूरी है। बुजुर्गवार ऐसे ही तो नहीं कह गए थे कि अपने जीते जी अपना राजपाट बेटे-बिटियों को बांट-बूंट दो, नहीं तो पीछे से नाहक लड़ेंगे और वंश की बदनामी होगी। मुम्बई वाले बाला साहिब ठाकरे यही धोखा खा गए थे। इससे कितनी जगहंसाई और किरकिरी हुई? बेटा उद्धव ठाकरे कह रहा है कि मैं उनका उत्तराधिकारी हूं, उधर भतीजा राज ठाकरे कह रहा है चाचा जी मुझे उत्तराधिकारी बना कर गए थे। घर की लड़ाई बाहर गली-मुहल्ले में सुनाई दे रही है। मायावती और ममता बनर्जी ने शायद इसी से सीख ली हो। तमिलनाडु में करुणानिधि के बच्चों वगैरह की फेहरिस्त को कौन देखे, इतना निश्चित है कि बेटे स्टालिन ने उसे किसी तरह सुलझा कर या फिर दूसरे दावेदारों को किसी तरह किनारे पर पहुंचा कर गद्दी पर कब्जा कर लिया है। लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी ने राजनीति में एक नई रीत चला दी है। ऐसे-ऐसे लोग राजनीति में आगे आ रहे हैं जिनके बारे में जानने के लिए मीडिया वालों को गांवों में जाकर धक्के खाने पड़ रहे हैं। कौन हैं भजन लाल शर्मा? पिता जी क्या करते हैं? गांव में सडक़ भी है या नहीं? ऐसी कितनी जानकारियां जमा करनी पड़ रही हैं ताकि एक उम्दा सा लेख लिखा जा सके। सम्पादक ने मांगा है तो धुर देहात में जाकर धक्के तो खाने पड़ेंगे। पहला जमाना भला था। फारूक अब्दुल्ला कौन है? गूगल में जाएं और अब्दुल्ला पर दो किताबों की सामग्री मिल जाएगी। लेकिन लगता है अब भारत में राजनीति की नई पारी शुरू हुई है जिसमें राजवंश लडख़ड़ाने लगे हैं और आम आदमी जमने लगा है।

दृष्टि कोण

पार्वती-कालीसिंधु-चंबल नदियों को जोड़ अटल बिहारी वाजयेपी का एक और सपना पूरा करेगी भाजपा

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक और सपना पूरा होने के करीब पहुंच गया है। वर्ष 2004 से पहले अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश में नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की थी। उन्होंने 31 रिवर इंटरलिंक्स चिन्हित किए थे, लेकिन अटल सरकार लोकसभा चुनाव हार गई। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार आने से यह प्रोजेक्ट दस साल तक ठंडे बस्ते में रहा और यह सपना अधूरा रह गया। वर्ष 2014 में दिल्ली में नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद एक बार फिर नदी जोड़ो परियोजना की फाइलों को निकाला गया। नदियों को जोड़ने की उम्मीद जागी। केन और बेतवा नदियों को लेकर जोड़ने को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार में सहमति बन गई है और काम शुरू हो चुका है। अब मध्य प्रदेश और राजस्थान भी पार्वती-कालीसिंधु-चंबल (पीकेसी) नदियों को जोड़ने के लिए सहमति बनाने के लिए आगे बढ़ गए हैं। इस प्रोजेक्ट से पूर्वी राजस्थान में नई हरित क्रांति की शुरुआत हो सकती है। नए पीकेसी लिंक से पानी के लिए तरस रहे

पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, अजमेर, करौली, दौसा, टोंक, सवाईमाधोपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां में न केवल अगले 30 साल तक पीने का पानी सुचारू रूप से मिलता रहेगा, बल्कि 7 लाख हेक्टेयर नई भूमि सिंचित भी होगी। मध्य प्रदेश में मालवा और चंबल क्षेत्र में 2.8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई हो सकेगी। इस नए लिंक को राजस्थान में ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) के साथ जोड़ा जाएगा। इसको नया नाम ईआरसीपी-पीकेसी लिंक प्रोजेक्ट दिया गया है। दरअसल, ईआरसीपी की कवायद वर्ष 2016 में राजस्थान की भाजपा नेतृत्व वाली वसुंधरा राजे सरकार ने शुरू की थी। उन्होंने एक डीपीआर भी तैयार करा ली थी, लेकिन डीपीआर में खामी के चलते प्रोजेक्ट में विलंब हुआ। डीपीआर में सुधार होता, उससे पहले वर्ष 2018 में राजस्थान में सरकार बदल गई। अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनी तो उसने खामी वाली डीपीआर को ही आगे बढ़ाने का प्रयास किया। उस समय मध्यप्रदेश में भी कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की ही सरकार थी, लेकिन उन्होंने राजस्थान के साथ सहमति नहीं बनाई। फिर यह एक राजनीतिक मुद्दा बनकर रह गया। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य में अशोक गहलोत सरकार आपस में पानी को लेकर राजनीति में फंसते चले गए। कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में इस मुद्दे को काफी जोर-शोर से उठाया। बजट में कुछ धन भी ईआरसीपी के नाम पर रखा, लेकिन राज्य अपने संसाधनों से इसे पूरा नहीं कर सकता था, यह बात अशोक गहलोत भलीभांति जानते थे। पहले से माना जा रहा था कि यदि राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार आती है तो ईआरसीपी-पीकेसी लिंक प्रोजेक्ट को एक बार फिर गति मिल सकती है। ऐसा हुआ भी। जैसे ही दोनों राज्यों में भाजपा नेतृत्व की सरकार बनी, केंद्र में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जो पहले से इस लिंक प्रोजेक्ट को पूरा करने का वादा करते आ रहे थे, सक्रिय हो गए। अभी राजस्थान में मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है, लेकिन शेखावत ने राजस्थान और मध्य प्रदेश के अधिकारियों को दिल्ली बुलाकर इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करा दिया है। लोकसभा चुनाव से पहले दोनों राज्यों और केंद्र सरकार के बीच सहमति बनाकर बजट स्वीकृत किया जा सकता है। भाजपा इस प्रोजेक्ट के माध्यम से राजस्थान के 13 जिलों के वोटर्स को साधना चाहती है। यह प्रोजेक्ट नौ लोकसभा सीटों जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, कोटा, दौसा, भरतपुर, धौलपुर-करौली, टोंक-सवाईमाधोपुर, बारां-झालावाड़ पर भाजपा को लाभ पहुंचाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 50,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिसमें 90 प्रतिशत राशी यानी 45,000 करोड़ रुपए केंद्र सरकार वहन करेगी।

कुछ अलग

कृत्रिम मेधा के दम पर उदासी और अवसाद से दो-दो हाथ

इस साल हुई रिसर्च ने बताया है कि कृत्रिम मेधा यानी एआई अब बीमारियों के निदान और उनके इलाज के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए भी तैयार है। अवसाद का पता लगाने में तो यह खासतौर से मददगार हो रही है, क्योंकि इससे अवसाद का ज्यादा सटीक निदान संभव हुआ है। हम में से करीब 20 फीसदी लोगों ने अपने जीवन में कम से कम एक बार अवसाद का सामना जरूर किया होगा। इस वक्त दुनिया भर में 30 करोड़ लोग अवसाद की समस्या से जूझ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने अवसाद को दुनिया में खराब स्वास्थ्य में सबसे ज्यादा योगदान करने वाली समस्या बताया है। एआई इससे निपटने में कैसे मदद कर सकती है? अवसाद का निदान इतना मुश्किल होता है कि सामान्य चिकित्सक तो अवसाद के आधे से भी कम मामलों का सही-सही पता लगा पाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसके निदान के लिए चिकित्सक मरीज द्वारा बताए लक्षणों, मरीज से पूछे जाने वाले सवालों से निकले जवाबों और नैदानिक रिपोर्टों का ही सहारा लेते हैं। जिन लोगों में अवसाद का सही-सही निदान हो जाता है, उनके इलाज के बहुत से तरीके हैं, जिनमें संवाद, ध्यान और जीवन शैली में बदलाव जैसे उपाय भी शामिल हैं। हालांकि हर व्यक्ति के मामले में इलाज की प्रतिक्रिया अलग-अलग देखने को मिलती है और हमारे पास पहले से यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि कौन इलाज कारगर होगा और कौन-सा नहीं। एआई कंप्यूटरों को इंसान की तरह सोचने के लिए प्रशिक्षित करती है, जिसमें तीन इंसानी व्यवहारों पर जोर दिया जाता है। ये हैं- सीखना, तर्क करना और सुधार करना। एआई की एक शाखा मशीन लर्निंग है, जिसका उद्देश्य सीखने, डाटा में प्रतिरूपों का पता लगाने और इंसान के मार्गनिर्देशन के बिना डाटा युक्त भविष्यवाणी करने के लिए कंप्यूटरों को प्रशिक्षित करना है। हाल के वर्षों में अवसाद जैसी बीमारियों के, निदान में एआई का उपयोग करने वाले शोध काफी हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने जब चैटजीपीटी के निदानों और डॉक्टरों द्वारा किए गए निदानों की तुलना की, तो हैरान करने वाले नतीजे मिले। जब अवसाद की गंभीरता, लिंग और सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले विभिन्न काल्पनिक मरीजों के बारे में चैटजीपीटी को बताया गया, तो उसने ज्यादातर मरीजों के लिए टॉक थैरेपी यानी संवाद से इलाज का तरीका सुझाया। जबकि चिकित्सकों ने ऐसे रोगियों के लिए अवसाद रोधी दवाएं दिए जाने का सुझाव दिया। चैटजीपीटी लिंग, और सामाजिक-आर्थिक पूर्वाग्रहों से भी प्रभावित नहीं है, जबकि चिकित्सकों में ऐसा देखने को नहीं मिलता, वे शारीरिक श्रम से जुड़े नौकरी करने वालों को अक्सर अवसादरोधी दवाएं ही लिखते हैं। एमआरआई-आधारित एआई मशीनें केवल शोध में ही उपयोग की जाती हैं, पर जैसे-जैसे एमआरआई स्कैन सस्ते, तेज और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सक्षम हो रहे हैं, उससे पूरी संभावना है कि यह नई तकनीक चिकित्सा सामान का हिस्सा बन जाएगी। वैज्ञानिकों ने एआई का उपयोग करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट और इमोजी के विश्लेषण से भी अवसाद का पता लगाया है।

देश दुनीया से

सेना की सिफारिश पर निशान-ए-हैदर

> सन 1971 में भारतीय सेना हिंदोस्तान के पूर्वी व पश्चिमी दोनों मोर्चों पर जंग लड़ रही थी। जंग के महाज पर दुश्मन के नापाक मंसूबों को खाक में मिलाकर शौर्य पराक्रम के कई मजमून लिखने वाली भारतीय सेना ने रणभूमि में दुश्मन की बहादुरी का हमेशा सम्मान किया है। भारतीय सेना ने चार दिसंबर 1971 को पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान के शकरगढ़ सेक्टर पर हमला करके पाक सेना की पेशकदमी को वहीं खामोश कर दिया था। शकरगढ़ में बसंतर दरिया के किनारे 'जरपाल' कस्बे पर कब्जा करने में अहम किरदार अदा करने वाली सेना की 'तीन ग्रेनेडियर्स' यूनिट के कमान अधिकारी कर्नल 'वेद प्रकाश एरी' को युद्ध में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' से नवाजा गया था।

भारतीय सेना का इतिहास हमारे सैनिकों के अदम्य साहस की वीरगाथाओं व सेना की गौरवशाली परंपराओं से लबेरज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने सन 1971 की जंग में पाकिस्तान को तकसीम करके कभी न सूखने वाला जख्म दिया था। सन 1971 में भारतीय सेना हिंदोस्तान के पूर्वी व पश्चिमी दोनों मोर्चों पर जंग लड़ रही थी। जंग के महाज पर दुश्मन के नापाक मंसूबों को खाक में मिलाकर शौर्य पराक्रम के कई मजमून लिखने वाली भारतीय सेना ने रणभूमि में दुश्मन की बहादुरी का हमेशा सम्मान किया है। भारतीय सेना ने चार दिसंबर 1971 को पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान के शकरगढ़ सेक्टर पर हमला करके पाक सेना की पेशकदमी को वहीं खामोश कर दिया था। शकरगढ़ में बसंतर दरिया के किनारे 'जरपाल' कस्बे पर कब्जा करने में अहम किरदार अदा करने वाली सेना की 'तीन ग्रेनेडियर्स' यूनिट के कमान अधिकारी कर्नल 'वेद प्रकाश एरी' को युद्ध में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' से नवाजा गया था। बसंतर के युद्ध में पाकिस्तानी कर्नल 'मोहम्मद अकरम रजा' की कयादत में पाक सेना की '35वीं फ्रंटियर फोर्स' ने जरपाल में तीन ग्रेनेडियर्स पर हमला कर दिया था। तीन ग्रेडियर्स के जवाबी हमले में फ्रंटियर फोर्स के कर्नल मो. अकरम रजा सहित 85 पाक सैनिक हलाक हो गए थे। भारतीय कर्नल वीपी एरी ने जंग में हलाक हो चुके पाक कर्नल अकरम रजा की वर्दी की जेब में एक पत्र लिखकर डाल दिया था, जिसमें बसंतर युद्ध में अकरम रजा की बहादुरी का जिक्र किया गया था। युद्ध में सीजफायर का ऐलान होने के बाद 17 दिसंबर 1971 को बसंतर की जंग में मारे गए पाक सैनिकों की लाशें उठाते वक्त पाकिस्तानी ब्रिगेडियर 'शेरबाज खान' को अकरम रजा की जेब से वो पत्र प्राप्त हुआ था। नतीजतन कर्नल वीपी एरी की तहरीर पर पाक हुकूमत ने बसंतर जंग में मारे गए कर्नल मो. अकरम रजा को पाकिस्तान के दूसरे आलातरीन सैन्य पदक 'हिलाल-ए-जुर्रत' से सरफराज किया था। स्मरण रहे भारतीय सेना ने आदमियत की एक ऐसी ही मिसाल सन् 1999 की कारगिल जंग में पेश की थी। कारगिल युद्ध में 'टाईगर हिल' पर 'आठ सिख रेजिमेंट' के भयंकर हमले में पाक सेना की '12 नार्दर्न लाइट इन्फैंट्री' के कैप्टन 'करनल शेर खान' सहित कई सैनिक हलाक हो गए थे। पाकिस्तान ने कारगिल जंग में मारे गए अपने सैनिकों की लाशें तस्लीम नहीं की थीं। मगर युद्ध में शहीद शेर खान की बहादुरी से प्रभावित होकर भारतीय सेना के ब्रिगेडियर 'एमपीएस बाजवा' ने शेर खान की मय्यत को रेडक्रॉस के जरिए पूरे सैन्य एजाज के साथ पाकिस्तान भिजवाया था तथा शेर खान की जेब में एक पत्र लिखकर डाला था। उस पत्र में जंग में शेर खान की बहादुरी का हवाला दिया गया था। जब पाक हुक्मरानों को करनल शेरखान की बहादुरी का इल्म हुआ तो इस्लामाबाद में शेर खान के ताबूत को ले. ज. मुजफ्फर उस्मानी व सिंध के गवर्नर मामून हुसैन ने खुद कंधा दिया था। एमपीएस बाजवा द्वारा लिखे पत्र की सिफारिश पर पाक हुकूमत ने कै. करनल शेर खान को पाकिस्तान के सर्वोच्च सैन्य पदक 'निशान-ए-हैदर' से नवाजा था। रणभूमि में ऐसा बहुत कम देखने या सुनने को मिलता है, जब कोई सैनिक दुश्मन की वीरता की तारीफ पूरी अकीदत से करता हो। लेकिन कारगिल जंग में मुल्लविश पाक सेना के किरदार को बेनकाब करने वाले हिमाचली शूरवीर कै. सौरभ कालिया के जख्मों का हिसाब पाक सेना से बाकी है। सन् 1971 की जंग को भारतीय सेना ने विजयी अंदाज में तकमील कर दिया था। बांग्लादेश के ढाका में 16 दिसंबर 1971 को पाक जरनैल आमीर अब्दुल्ला खान नियाजी ने 93 हजार पाक जंगी कैदियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया था। सरहदें लगभग शांत हो चुकी थीं, मगर युद्ध में मिली जिल्लतभरी शिकस्त से आलमी सतह पर बेआबरू हो चुके पाक सिपाहसालारों ने भारत के खिलाफ सरहद पर खूनी संघर्ष जारी रखा था। पाकसेना की '36वीं फ्रंटियर फोर्स व पाक रेंजर्स' ने 25 दिसंबर 1971 को राजस्थान के गंगानगर सेक्टर में श्रीकरणपुर तहसील के 'नग्गी' कस्बे पर हमला करके कब्जा जमा लिया था। परंतु भारतीय सेना के पलटवार के बाद नग्गी पर हमला पाक सेना के लिए कुचा-ए-कातिल साबित हुआ था। भारतीय सेना की 'चार पैराशूट' व 'नौ पैरा फील्ड' बटालियन ने 27 दिसंबर 1971 को नग्गी में पाक सेना के उस दुस्साहस का माकूल जवाब दिया था। नग्गी के रण में पाक सेना पर जवाबी हमला करने वाली चार पैराशूट की एक कंपनी का नेतृत्व मेजर 'विजय कुमार बेरी' 'महावीर चक्र' ने किया था। नग्गी में पाक सेना पर आक्रामक सैन्य कार्रवाई के दौरान दुश्मन के तोपखाने की भीषण गोलीबारी में चार पैराशूट के 21 कमांडो वीरगति को प्राप्त हो गए थे। युद्ध में उच्चकोटी के सैन्य नेतृत्व के लिए हवलदार 'टेक बहादुर गुरूंग' को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा गया था।

आप का नजरीया

राम मंदिर सिर्फ सियासी नहीं

अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक उदाहरण है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। 1989 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्रों में भाजपा इसे शामिल करती रही है। एक राजनीतिक दल सांस्कृतिक विकास और बदलाव की बातें नहीं करता, क्योंकि वे चुनावी मुद्दे नहीं आंके जाते। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और धुरवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णतः गलत नहीं कहा है। शंकराचार्य को कांग्रेस और भाजपा में बांट कर नहीं देखा जा सकता। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। पार्टी ने इसे 'संविधान-विरोधी' करार दिया है, क्योंकि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष भारत' की बात कही गई है। हम इस दलील को नहीं मानते। वैसे भी वामपंथी दल वैचारिक और मानसिक स्तर पर चीन के ज्यादा करीब रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन युद्ध के दौरान भी देश का साथ नहीं दिया था। बहरहाल लोकतंत्र में राजनीति को खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीति से आम आदमी भी जुड़ा है। यदि भगवान राम के दर्शनार्थ अथवा नया, भव्य मंदिर देखने देश भर से भक्तगण उमड़ते हैं, अयोध्या में भक्ति और भजन की तरंगें प्रवाहित होती हैं, यदि विरोधी राजनीति के नेतागण भी अपने 'आराध्य' के लिए अयोध्या मंदिर में जुटते हैं, तो उसे महज 'राजनीति' भी न कहा जाए। भक्ति, अध्यात्म, दर्शन, आस्था और राजनीति की परिभाषाएं भिन्न हैं। बेशक राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा का राजनीतिक विस्तार हुआ है। अन्य धर्मावलंबी, संप्रदाय, मत के लोग और समाज भी समारोह मनाते हैं। प्रधानमंत्री अपने आवास पर ईसाइयों को आमंत्रित करते हैं, ताकि ईसा मसीह की जयंती का समारोह मनाया जा सके। प्रधानमंत्री 'सिख साहबजादों' के बलिदान पर 'वीर बाल दिवस' आयोजन में भी शिरकत करते हैं। प्रधानमंत्री को हमने मस्जिद में भी देखा है।

प्रधानमंत्री के करिश्माई नेतृत्व पर जनता का बढ़ा भरोसा, तीसरी बार बनेगी मोदी सरकार: लक्ष्मीकांत

पश्चिमी सिंहभूम (हिंस)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि जनता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर भरोसा बढ़ा है। करिश्माई नेतृत्व और बूथ पर कार्यकर्ताओं की ताकत से तीसरी बार मोदी सरकार 400 सीट पार के साथ बनेगी। उन्होंने स्वयंसेवी और सामाजिक संगठनों को राष्ट्रहित में आगे आने का आह्वान किया। वे रविवार को झारखंड भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश पदाधिकारी, कोर कमेटी, जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारी और मोर्चा अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 2023 का अंतिम दिन भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने संगठन को समर्पित किया। पांच राज्यों के चुनाव में दशहरा, दीपावली त्योहार भी घर से बाहर मनाया। उसके सकारात्मक परिणाम आए। कार्यकर्ता का परिश्रम ही पार्टी की पूंजी है। उन्होंने कहा कि 2023 में सेवा, संगठन और आंदोलनात्मक कार्यक्रम हुए। विधानसभा स्तर पर संकल्प यात्रा बरसात में भी ऐतिहासिक सफल हुई। उन्होंने कहा कि 2024 का वर्ष हमें विजय वर्ष बनाना है। राज्य की 14 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनानी है।

सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी भाजपा को बूथों तक पहुंचाना है। आज घर घर मोदी सरकार की योजनाएं पहुंची है। घर-घर भाजपा पहुंची है। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि हेमंत सरकार पर भ्रष्टाचार का बड़ा लेबल लग चुका है। यह सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है। सबसे बड़े कैश कांड पर प्रधानमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए जनता को पाई पाई वापस लाने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने फिर एक बार दलितों आदिवासियों को ठगा है। युवा झारखंड में 10 वर्ष पहले ही लोगों को बूढ़ा बनाया जा रहा। उन्होंने कहा कि वृद्धा पेंशन योजना का भी वही हाल होगा जो बेरोजगारी भत्ता का हुआ। उन्होंने कहा कि 2024 में केंद्र में मोदी सरकार और प्रदेश में भाजपा नेतृत्व की मजबूत सरकार बनाने जनता संकल्पित है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि एक जनवरी से 15 जनवरी तक कार्यकर्ता अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और 22 फरवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अक्षत निमंत्रण को लेकर घर-घर जाएं। यह गौरव दिवस नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत वासियों को दिया है। उन्होंने कहा कि जो टेंट से निकालकर भव्य मंदिर में रामलाला को लाए हैं उन्हें तीसरी बार हमें लाना है। उन्होंने पार्टी के सभी मोर्चों के द्वारा आयोजित होने वाले सम्मेलनों, बैठकों, संपर्क अभियान से संबंधित विस्तृत चर्चा की। सिंह ने आगामी 26 जनवरी को तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करती है। असहयोग का रोना रोती है। वहीं, सच्चाई यह है कि हेमंत सरकार केंद्रीय योजनाओं के पैसे के खर्च का हिसाब नहीं दे रही। खजाने में पैसे पड़े हैं खर्च नहीं हो रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुशासन पर बल दिया है जो सरकार पारदर्शी तरीके से खर्च कर रही है उसे पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी, किसान, कृषि से संबंधित योजनाओं को भी धरातल पर नहीं उतार पा रही। उन्होंने कहा कृषि क्षेत्र में इस वर्ष झारखंड सरकार केंद्रीय वित्तीय सहायता नहीं प्राप्त कर सकी। क्योंकि, इस सरकार ने पिछले वर्ष का ही हिसाब नहीं दिया है। हेमंत सरकार किसी मद के पैसे को दूसरे मद में खर्च कर देती है, जो वित्तीय अनियमितता है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि विकास विरोधी लोग देश को जाति की राजनीति में उलझाना चाहते हैं जबकि प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास पर जोर दिया। मोदी की नजरों में युवा, महिला, किसान और गरीब यही जाति हैं। मोदी सरकार इन वर्गों के सशक्तिकरण को समर्पित है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की यात्रा है।

भोजपुर में ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

पटना (हिंस)। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत मौके पर ही हो गयी जबकि एक ही हालत गंभीर बतायी जा रही है। मरने वालों में दो स्कूली छात्राएं हैं। बताया जा रहा है कि धान लेकर जा रहे ट्रक ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें तीनों की मौत हो गई। मृतकों आयर थाना के इसाढ़ी वार्ड नंबर 11 निवासी 22 वर्षीय मनीष शर्मा, 16 वर्षीय आंचल कुमारी और शाहपुर थाना के नावाडीह गांव निवासी आठ वर्षीय पुत्री प्रिया कुमारी हैं जबकि वकील शर्मा गंभीर रूप से जख्मी हैं, जिन्हें पटना रेफर किया गया है। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। मृतक मनीष के चाचा की तबीयत खराब थी और उन्हें आरा शहर के धरहरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनीष पिता को पहुंचाने अस्पताल गया था। इसके बाद वह भतीजी आंचल कुमारी एवं ममेरी बहन प्रिया कुमारी को साथ लेकर बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान हरीगांव के समीप ब्रेक लगाने से तीनों बाइक से गिर पड़े। इस बीच पीछे से आ रहे अनियंत्रित धान लदे ट्रक ने सभी को कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद जगदीशपुर थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रक को जब्त किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मनीष शर्मा बीए पार्ट वन में आरा में पढ़ाई करता था। आंचल कुमारी 7वीं में पढ़ती थी और प्रिया कुमारी 5वीं की छात्रा थी। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने हरिगांव बाजार स्थित एक मुर्गा फार्म व एक पान की गुमटी को आग के हवाले कर दिया। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

उतार-चढ़ाव भरा बीता साल फिर छोड़ गया कई सवाल

कानपुर (हिंस)। साल 2023 में कानपुर शहर के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। शहर का आधारभूत ढांचा बदलने के लिए विकास के नाम पर बहुत कुछ मिला, लेकिन कुछ प्रोजेक्ट अपनी मियाद पूरी करने के बावजूद नहीं शुरू हो पाए। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई। दावा किया गया कि गरीबों को बेहतरीन सुविधाओं के साथ इलाज मिलेगा, लेकिन इसे पूरी तरह से चालू नहीं किया जा सका। शहर की परिवहन सेवा के लिए साल 2023 उतार-चढ़ाव भरा रहा। एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का काम तेजी से पूरा किया गया और अन्तर-राष्ट्रीय हवाई मानचित्र से जुड़ गया। रनवे पर अप्रोच लाइट भले ही लगने में देरी हो रही हो, लेकिन दिन में हवाई जहाज आसानी से लैंड करने लगे हैं। आशा जताई जा रही है इसके लगने से इस साल जहाजों की नाईट लैंडिंग भी हो सकेगी और अंधेरे में विमान उड़ान भर सकेंगे। शहर में 80 ई बसों ने फर्राटा भरा और अब 100 ई-बसें शहर में दौड़ने लगी है। बसों का विस्तार उन्नाव घाटमपुर और फतेहपुर के बिंदकी तक हो गया है। वहीं दूसरी तरफ सीएम योगी के द्वारा लोकार्पण के बावजूद विकास नगर में बनकर तैयार सिग्नेचर सिटी बस अड्डा अधिकारियों की इच्छाशक्ति की कमी से इस साल भी नहीं चालू हो सका है। पहले केडीए और रोडवेज के बीच रुपयों के लेन-देन की वजह से बाधा रही, फिर स्टॉफ के लिए फर्नीचर ना होने और फूड प्लाजा ना होने के कारण इसे चालू नहीं किया जा सका, जबकि 40 बसों का शेड्यूल भी रोडवेज जारी कर चुका है। साल 2023 में कानपुर वासियों को कई सौगात मिली, लेकिन कन्वेंशन सेंटर का कार्य अधर में ही लटक गया। साल 2023 पुलिस के लिए चुनौतियों भरा रहा।

जाते-जाते यह साल आलू किसानों को दे गया धोखा, किसानों के सपनों पर पानी

पूर्णिया (हिंस)। जिले में इस वर्ष भी आलू किसानों को धोखा दे गया है। इसके उपज में तो कमी आई ही है, साथ ही इसकी कीमत भी गिरने से किसान मुंह के बल गिर पड़े हैं। प्राय: देखा गया है कि उजला आलू 70 दिनों के बाद अच्छी उपज देना शुरू कर देता है। परंतु इस बार पिछले साल की तुलना में काफी कम उपज दे रहा है। किसी भी किसान का दस मन से ज्यादा प्रति कट्ठा नहीं हुआ । जबकि अन्य साल 70 दिनों में इसकी उपज 12 से 15 मन प्रति कट्ठा हो जाया करती थी। अगर 80 से 85 दिनों तक किसान फसल को छोड देते हैं, तब यह उपज 20 मन तक चली जाती है। कीमत में भी काफी कमी आई है। पिछले साल की तुलना में इस क्विंटल बेचा था, आज उसकी कीमत मात्र 700 रुपए है। यह कीमत लगातार घटती चली जा रही है। मौके पर आलू उपजाने वाले किसान अखिलेश सिंह, सुबोध सिंह, छेदी जायसवाल, ब्रहमदेव महतो, सुरेश जायसवाल आदि कहते हैं कि समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर क्या करें। आलू फसल उपजाने के लिए कम-से-कम चालीस हजार रुपए बीघा के हिसाब से खर्च होते हैं। परंतु इस बार यह खर्च ऊपर नही हो रहा है। जबकि उजला आलू में यह माना जाता है कि यह महज साठ दिनों में किसानों की पूंजी दोगुनी से ज्यादा कर जाता है। वर्ष 2013, 2014, 2015, 2019, 2021 आदि वर्षो में तो किसान महज दो माह में अपनी पूंजी के चार-चार गुणा मुनाफा कमाया था। कुल मिलाकर इस बार आलू की फसल किसानों को मुंह के बल गिराने पर तुला है। कुल मिलाकर किसानों ने जो सपने देखे थे कि घर के या बच्चों के शिक्षा दीक्षा के लिए कई कामों को अंजाम देंगे उसे पर अब उन्हें कटौती करनी होगी।

साल के आखिरी दिन भाजपा अध्यक्ष नड्डा और मुख्यमंत्री योगी पहुंचे कुष्ट आश्रम

लखनऊ (हिंस)। साल के आखिरी दिन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनकल्याण कार्यों में प्रतिभाग किया। लखनऊ के बाराबिरवा इलाके में भाजपा अध्यक्ष नड्डा व मुख्यमंत्री योगी ने कुष्ट रोगियों के आश्रम में जाकर उनका कुशल-क्षेम पूछा। नड्डा और योगी ने पहले मंदिर में शीश नवाया, फिर कुष्ट रोगियों व अन्य जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। इसके साथ ही स्थानीय बच्चों से संवाद कर पूछा-पढ़ने जाते हो। इसके बाद उन बच्चों को चॉकलेट व टॉफियां भी बांटीं। वहीं, कुष्ट रोगियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं इस बाबत भी मुख्यमंत्री ने संवाद

के दौरान जानकारी ली और तस्वीरें भी खिंचवाईं। कुष्ट रोगियों द्वारा इस दौरान भजन-कीर्तन भी प्रस्तुत किया गया जिसमें प्रभु श्रीराम की महिमा का बखान किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, विधान परिषद सदस्य मोहसिन रजा, महेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में शुरू हुई पहल : सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रदेश की जनता को दी गई गारंटियों को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कदम बढ़ाया। सरकार ने प्राथमिकता तय करते हुए एक जनवरी 2024 से प्रदेशवासियों को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने की शुरूआत कर दी। सरकार की इस पहल पर भाजपा नेताओं के साथ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इस दौरान भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सतीश पूनिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, छत्तीसगढ़ चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय चुनाव संचालन समिति के सदस्य ओम प्रकाश माथुर और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने नववर्ष पर जहां प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी, वहीं भाजपा सरकार द्वारा 1 जनवरी से रसोई गैस सिलेंडर योजना से प्रदेशवासियों को लाभांवित करने पर आभार जताया। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने बताया कि भाजपा के संकल्प पत्र में प्रदेश की जनता से 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था। इस वादे को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनाने के साथ ही काम शुरू कर दिया और प्रदेश की जनता को इस योजना से लाभान्वित करने की शानदार पहल की। सरकार ने दो सप्ताह में ही भाजपा के संकल्प पत्र की सभी गारंटियों को पूरा करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है, यह अपने आप में ऐतिहासिक है। अब प्रदेश में 1 जनवरी 2024 से 70 लाख महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा। इस योजना के तहत लाभार्थी को विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में पंजीयन कराना होगा। रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लिए प्रदेश की महिलाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया है।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का पीएम मोदी के दिल में एक विशेष स्थान है : गंगा

विजयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर ने विधानसभा विजयपुर में विभिन्न स्थानों पर रविवार को बूथ और पंचायत स्तर पर बूथ जन संवाद महाअभियान कार्यक्रम आयोजित किए। युवा नेताओं के साथ पार्टी के वरिष्ट नेता एवं पूर्व मंत्री चंद्र प्रकाश गंगा ने कार्यक्रमों को संबोधित किया जिसमें उन्होंने पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। मंडल बड़ी ब्राह्मणा में पंचायत कार्योली अप्पर में बूथ नंबर-25 पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करने वाले लोगों में भाजयुमो जिलाध्यक्ष सांबा अंकुश जमवाल और भाज्युमो उपाध्यक्ष धीरज शर्मा शामिल थे। विधानसभा विजयपुर की बात की जाए तो यहां विभिन्न स्थानों पर कई कार्यक्रम किए गए। लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री गंगा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का पीएम मोदी के दिल में एक विशेष स्थान है और उनके सराहनीय प्रयासों से आज जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि दिखाई दे रही है। गंगा ने कहा कि यह खुशी की बात है कि युवा कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित 150 प्रशिक्षित युवा जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय रूप से इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। गंगा ने यह भी बताया कि अभियान का मुख्य फोकस 5 अगस्त 2019 के बाद मोदी सरकार की विभिन्न विकासात्मक पहलों पर है। यह अभियान 15 जनवरी 2024 तक चलेगा और इस अभियान के दौरान भाजपा का लक्ष्य नागरिकों और सरकार के बीच की दूरी को पाटना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस अभियान का उद्देश्य युवाओं के साथ सीधे मतदाता जुड़ाव को बढ़ावा देना है। इस मौके पर उनके साथ भाजपा सीनियर नेता जय राम, मंडल अध्यक्ष अत्रेश दत्ता, सरपंच तरसेम सिंह, पवन बक्शी, भाजयुमो जिला सचिव गंधर्व सिंह, पंच श्रीमती शिशु देवी और पंचायत के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पंजाब के शहीदों के बारे भाजपा से एनओसी लेने की जरूरत नहीं : भगवंत मान

गणतंत्र दिवस समारोह में पंजाब की झांकी को शामिल न करने पर उठा विवाद

चंडीगढ़ (हिंस)। गणतंत्र दिवस समारोह में पंजाब की झांकी शामिल न करने के निर्णय के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार की *नामंजूर श्रेणी* में अपनी झांकियां नहीं भेजेगी क्योंकि देश के शहीदों के बारे भाजपा से एनओसी लेने की जरूरत नहीं है। रविवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू, शहीद सुखदेव, लाला लाजपत राय, शहीद उधम सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, माई भागो, गदरी बाबो सहित महान शहीदों को रद्द की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गणतंत्र दिवस की परेड में पंजाब की झांकी को शामिल न करके इन नायकों के महान योगदान और बलिदानों का महत्व कम करने की कोशिश कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह व्यवहार सहन नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह कदम हमारे महान देश भक्तों और राष्ट्रीय नेताओं का घोर निरादर करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 30 दिसंबर को एक पत्र लिख कर राज्य सरकार को कहा है कि गणतंत्र दिवस की परेड के लिए राज्य के साथ किए एमओयू के क्लॉज- 8 अनुसार राज्य हो या यूटी जिसका गणतंत्र दिवस की परेड के लिए चुनाव नहीं होता, उस राज्य या यूटी को 23-31 जनवरी के दौरान नयी दिल्ली के लाल किले में होने वाले *भारत पर्व* के दौरान झांकी दिखाने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रसिद्ध पकवानों, रिवायतों, वस्तुओं, दस्तकारी और त्योहारों पर अधारित होता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि *भारत पर्व* के बाद राज्य या यूटी की झांकी उनकी मर्जी अनुसार संबंधित राज्य या यूटी के समागमों में प्रदर्शित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य अपनी झांकी नहीं भेजेगा, क्योंकि देश के शहीदों को भाजपा से एनओसी लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब अपने देश भक्तों और शहीदों का सत्कार करना अच्छी तरह जानता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहीद हमारे नायक है और इन योद्धाओं ने देश के लिए किए बेमिसाल बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार को अपने नायकों के योगदान को दर्शाने के लिए केंद्र सरकार के सहारे की आवश्यकता नहीं है बल्कि राज्य अपने स्तर पर शहीदों को श्रद्धा और सत्कार देने के समर्थ है।

2024 में हरियाणा में अवश्य सत्ता परिवर्तन होगा : अभय चौटाला

जींद (हिंस)। इनेलो राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि आज मौजूदा सरकार से हर वर्ग दुखी है। प्रदेश में इनेलो की सरकार बनाने में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। जहां उन्होंने महिलाओं से 2024 में इनेलो की सरकार बनाने के लिए निवेदन किया, वहीं सरकार बनने पर ताऊ देवीलाल की नीतियों को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। वे रविवार को उचाना की कपास मंडी में इनेलो द्वारा आयोजित प्रदेशस्तरीय महिला आक्रोश सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि सम्मेलन में महिलाओं ने पहुंच कर इस बात को दर्शाने का कार्य किया कि आज प्रदेश की महिलाएं मौजूदा गठबंधन शासन से तंग आ चुकी हैं व परेशान हैं। 2024 में प्रदेश में परिवर्तन अवश्य होगा। अभय चौटाला ने कहा कि बुढ़ापा पैंशन को बढ़ाकर 7500 रुपए किया जाएगा। जिन बुजुर्गों की पेंशन को सरकार ने गलत तरीके से काटने का कार्य किया है उनको ब्याज सहित पूरी पैंशन देने का काम करेंगे। हर घर से कम से कम एक बेरोजगार व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा। जिस किसी को रोजगार नहीं मिलेगा उन्हें 21 हजार रुपए तक का बेरोजगारी भत्ता देने का काम करेंगे। रसोई के छोटे-मोटे खर्च चलाने के लिए प्रत्येक परिवार की एक महिला को 1100 रुपए मासिक देने का काम करेंगे। इनेलो महिला प्रदेश प्रधान महासचिव सुनैना चौटाला ने कहा आज प्रदेश में कहीं भी जाकर यदि आप लोगों से सवाल पूछोगे बुढ़ापा पेंशन किसने शुरू की, जच्चा-बच्चा स्कीम किसने शुरू की, दलित व पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए किसने चौपालें बनवाई, अनेकों प्रकार के टैक्स किसने हटवाए, आपके सामने एक ही नाम आएगा ताऊ देवीलाल का। यदि आप पूछोगे महिला आयोग की स्थापना किसने की या महिलाएं किसके शासन में सुरक्षित थी, रोजगार किसके शासन में सबसे ज्यादा मिला, किसान, दलित, पिछड़ा व व्यापारी किसके शासन में खुश थे तो नाम आएगा ओमप्रकाश चौटाला का। इनेलो वरिष्ट महिला नेत्री कांता चौटाला ने कहा कि प्रदेश में किस नेता को सत्य व त्याग की मूर्ति माना जाता है तो नाम आएगा अभय सिंह चौटाला। दूसरे दलों में इस प्रकार के कोई नेता नहीं है। इसलिए आप 2024 में चश्में का बटन दबा कर इनेलो पार्टी की सरकार बनाएं।

श्रीराम ने शक्ति पूजा कर रावण को किया पराजित

उदयपुर (हिंस)। जब रावण छलपूर्वक सीता का अपहरण कर ले गया, तब प्रभु श्रीराम उसको दंड देकर सीता को मुक्त कराने के लिए उससे युद्ध करने लगे, तब उन्हें ऐसा लगा कि रावण उनके सभी अमोघ बाणों को काट रहा है और उसके प्रहार वानर सेना को भयंकर क्षति पहुंचा रहे हैं। यह देख राम कुछ व्यथित से हो गए, क्योंकि उस समय वे नारायण नहीं, अपितु मानव रूप में थे। जब रावण जैसे अधर्मी के समक्ष धर्म के लिए युद्ध कर रहे राम को निराशा-सी होने लगी तब उन्होंने एकाग्र होकर ध्यान किया तो देखा कि रावण के पीछे देवी शक्ति खड़ी हैं। इस पर उन्होंने जामवंत से मंत्रणा की तो जामवंत ने उन्हें बताया कि रावण ने युद्ध में आने से पूर्व शक्ति की पूजा की है, इसलिए देवी उसको सुरक्षा और बल प्रदान कर रही है। आप भी देवी का यज्ञ करें, तो वे आपको यह धर्म युद्ध जीतने का वरदान प्रदान कर सकती हैं। इस पर श्रीराम ने जब शक्ति का यज्ञ किया और आहुति के लिए 101 कमल पुष्प रखे, उनमें से देवी ने परीक्षा के लिए अपनी माया से एक पुष्प गायब कर दिया। जब राम को 101वां पुष्प नहीं मिला तो उन्हें स्मरण हुआ कि उन्हें माताएं कमल

नयन कहती थीं, तो उन्होंने अंतिम आहुति के लिए बाण से अपनी आंख निकालने को तत्पर हुए तभी देवी प्रसन्न होकर प्रकट हुईं और उन्होंने राम को विजयी भव: आशीर्वाद प्रदान कर जीत का वरदान दिया। यह दृष्टांत भगवान राम की कथा पर लिखी सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता *राम की शक्ति पूजा* पर आधारित है। इसमें वर्णित राम-रावण युद्ध का यह प्रसंग शनिवार रात को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के शिल्पग्राम उत्सव के अंतिम दिन शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर संगीता शर्मा की नृत्य नाटिका *राम की शक्ति पूजा* की प्रस्तुति में साकार हुआ। इसमें कलाकारों के अभिनय ने इतनी जीवंतता डाल दी कि हजारों दर्शक राममयी माहौल में गोते लगाते हुए भावुक हो गए। इस नृत्य नाटिका की डिजाइन, निर्देशन और कोरियोग्राफी विश्व प्रसिद्ध नृत्यांगना और योग गुरु संगीता शर्मा ने की। वहीं, अदिति चटर्जी ने शक्ति, निखिल कुमार ने राम, शुभम गंगानी ने रावण, तुषार यादव, आशीष कुमार, हैप्पी बिश्वास, पुनित गंगानी ने राम के स्वप्न के पात्र, अभिनव मलिक ने जामवंत और अदिति रानाकोटी ने सीता के स्वप्न की पात्र की भूमिका निभाते हुए परफॉर्म किया। वॉइस ओवर अमित सक्सेना का रहा। साउंड इंजीनियर सैंडी सिंह थे, जबकि लाइटिंग अतुल मिश्रा की रही। दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के अंतिम दिन शनिवार को मुक्ताकाशी मंच पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की लोक संस्कृति का चला जादू समूचे शिल्पग्राम में छा गया। इस दौरान कई राज्यों के लोक नृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। हजारों दर्शक लोक कलाकारों के उम्दा फन से सम्मोहित हो गए। इस दौरान हर खुशी के अवसर पर होने वाले बधाई नृत्य ने मध्यप्रदेश और माधुरी नृत्य ने तेलंगाना, प्रेम प्रदर्शन के प्रतीक छपेली डांस ने उत्तराखंड, कावड़ी कड़क्कम नृत्य ने तमिलनाडु और बिहू डांस ने असमिया संस्कृति को मंच पर जीवंत कर खूब वाहवाही लूटी।

कारोबारी मेलों से निर्यात बढ़ाने और मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने में मिलेगी मदद, ग्रेटर नोएडा में आयोजित हो रहा है एक्सपो मार्ट

नई दिल्ली।

अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए कभी दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले वैश्विक मेले में हिस्सा लेने वाला भारत अब खुद ही वैश्विक मेलों का बड़ा आयोजक बन गया है। इस प्रकार के आयोजन से निर्यात प्रोत्साहन के साथ मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने में भी मदद मिलेगी। दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम व द्वारका में यशोभूमि के निर्माण से यह संभव होता दिख रहा है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि जनवरी से लेकर मार्च तक विभिन्न सेक्टर के वैश्विक मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 3-10 जनवरी तक भारत मंडपम में आत्मनिर्भर भारत उत्सव का आयोजन होगा। इसमें देशभर के एमएसएमई, कुटीर उद्योग, जनजातीय हैंडीक्राफ्ट्स, खादी, बुनकर हिस्सा लेंगे जहां देश-विदेश के बड़े खरीदारों से लेकर आम ग्राहक इन उत्पादों तक पहुंच पाएंगे।

ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा एक्सपो मार्ट - 8-10 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में कृषि व प्रोसेस्ड खाद्य आइटम के निर्यात को बढ़ाने के लिए इंडस फूड मेले का आयोजन होगा। इसमें 120 देशों के प्रदर्शनकारी अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। यहां 2,500 से अधिक विदेशी खरीदार आएंगे। इस मेले से भारतीय किसानों को काफी फायदा मिलने की संभावना है। आगामी 1-3 फरवरी तक भारत मंडपम में मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो का आयोजन होगा। इसमें आटोमोबाइल्स सेक्टर के वैश्विक हितधारक अपने-अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। इस सेक्टर के इनोवेशन का प्रदर्शन भी इस मेले में किया जाएगा। 26 से 29 फरवरी तक भारत टेक्स के नाम से वैश्विक स्तर के टेक्सटाइल मेले का आयोजन यशोभूमि में होगा। इसमें कपास उत्पादक से लेकर फैशन उद्योग तक के 3,500 हितधारक अपनी प्रदर्शनी लगाएंगे। भारत टेक्स में 3,000 से अधिक वैश्विक खरीदार के आने की उम्मीद की जा रही है। 7-11 मार्च तक आहार नामक वैश्विक प्रदर्शनी का आयोजन भारत मंडपम में होगा, जहां खाद्य व आवभगत सेक्टर के 1,500 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। गोयल ने बताया कि इस प्रकार की प्रदर्शनी से वैश्विक बाजार से भारत सीधे तौर पर जुड़ पाएगा और हमारे किसान से लेकर निर्माताओं को अपने-अपने उत्पादों की नुमाइश करने का भरपूर मौका मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

अब तक 28 देशों ने की वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में भागीदार बनने की पुष्टि, सरकार का दावा

गांधीनगर (गुजरात)। अट्ठाईस देशों और 14 संगठनों ने आगामी वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) 2024 में भागीदार बनने की पुष्टि की है। गेटवे टू द फ्यूचर थीम पर आधारित वीजीजीएस का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी तक गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी है। सरकार के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, चेक गणराज्य, मिस्र, एस्टोनिया, फिनलैंड, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, केन्या, मलेशिया, माल्टा, मोरक्को, मोजाम्बिक, नेपाल, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, रवांडा, सिंगापुर, तंजानिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, उरुग्वे, घाना और वियतनाम भागीदारों के रूप में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं। साझेदार संगठनों में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया (एएमसीएचएएम इंडिया), ईपीआईसी इंडिया-यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी), इंडो-अफ्रीकन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, इंटरनेशनल सोलर अलायंस, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेट्रो), कोरिया ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट एजेंसी शामिल हैं। सरकार ने कहा, प्रत्येक भागीदार देश और संगठन वीजीजीएस की सफलता में योगदान देकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सहयोग, व्यापार और निवेश के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों के जरिए वीजीजीएस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बयान में कहा गया है, सेमीकंडक्टर्स, ग्रीन हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा और फिनटेक जैसे उभरते क्षेत्रों पर फोकस करने के साथ निवेश को आकर्षित करने के लिए आगामी वीजीजीएस 2024 को एक प्रभावी मंच के रूप तैयार किया गया है। शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण साझेदार देश और साझेदार संगठन विकास के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूपसेमिनारों में सक्रिय रूप से भाग लेकर योगदान देंगे।

मार्च तक 19 लाख करोड़ हो सकता है कर संग्रह, मोदी सरकार के 10 वर्षों में तीन गुना वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। व्यक्तिगत आय तथा कॉरपोरेट कर संग्रह बढ़कर मार्च तक 19 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। इस दौरान केंद्र में नरेंद्र मोदी दस साल का कार्यकाल पूरा कर लेगी। इससे लोगों के लिए अनुकूल कर उपाय करने के अधिक अवसर मिलेंगे। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 में 6.38 लाख करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 16.61 लाख करोड़ रुपये रहा है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत आयकर तथा कॉरपोरेट कर) संग्रह अभी तक 20 फीसदी बढ़ा है। कर संग्रह बढ़ने की अगर यही रफ्तार रही तो 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में संग्रह करीब 19 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। यह 2023-24 के बजट में अनुमानित 18.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। सरकार कई वर्षों से कम दरों और कम छूट के साथ कर व्यवस्था को आसान बनाने की कोशिश कर रही है। 2019 में सरकार ने छूट छोड़ने वाले कॉरपोरेट घरानों के लिए कर की कम दर का विकल्प दिया था। अप्रैल 2020 में आम करदाताओं के लिए भी इसी तरह की योजना शुरू हुई थी। चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार जुलाई में पूर्ण बजट पेश कर सकती है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी में पार्टनर गौरी पुरी ने कहा कि कर लेनदेन के डिजिटलीकरण और अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने पर ध्यान देने से कर भुगतान की प्रवृत्ति बढ़ी है। इससे सरकार को कर दरों को तर्कसंगत बनाने के कुछ अवसर मिलने की उम्मीद है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर रहे। तेल विपणन करने वाली कंपनियों की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.61 प्रतिशत उतरकर 71.33 डॉलर प्रति बैरल और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत गिरकर 77.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.73 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है।

मजबूत जीडीपी, महंगाई-बेरोजगारी पर नकेल व आर्थिक कॉरिडोर, 2023 में विकसित भारत की ओर ऐसे बढ़े कदम

नई दिल्ली।

साल 2023 की विदाई हो रही है। इस साल भारत ने आर्थिक मोर्चे पर कई उपलब्धियां हासिल की है। साल 2023 में देश की अर्थव्यवस्था एक नए मुकाम की ओर बढ़ी है। भारत को विकासशील देश से विकसित देश बनाने की यात्रा शुरू हो गई है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जीडीपी और महंगाई के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। साल 2023 में भारत ने जी 20 का सफल आयोजन कर दुनिया को नई राह दिखाई। वहीं इस आयोजन के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्त बनने का रास्ता भी साफ हुआ।

भारत में आयोजित जी 20 समिट के दौरान भारत से यूरोप तक नया स्पाइस कॉरिडोर या आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर बनाने पर भी सहमति बनी जो एक तरह से चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का तोड़ है। हाल ही में इटली ने बीआरई प्रोजेक्ट से होने की घोषणा कर एक तरह से भारत की परियोजना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी है। आइए नजर डालते हैं साल 2023 में आर्थिक मोर्चे पर भारत की उपल्ब्धियों पर।

जीडीपी की रफ्तार बनाए रखने में सफल - तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत साल 2023 में अपनी मजबूत वृद्धि दर बनाए रखने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद पर रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के आंकड़ों से सकारात्मक से भी संदेश मिला है। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी का मानना है कि अर्थव्यवस्था के सामने पैदा होने वाले प्रतिकूल हालात की भरपाई मजबूत वृद्धि दर से होगी। ऐसे में जीडीपी के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। आने वाले समय में देश की जीडीपी 6 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच बनी रह सकती है। भारत के केंद्रीय बैंक- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मौजूदा और अगले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। सरकार के मुताबिक मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी।

महंगाई नियंत्रण के मोर्चे पर मिली कामयाबी - महंगाई के मार्चे पर भी भारत का प्रदर्शन साल 2023 में संतोषजनक रहा। केंद्र सरकार और आरबीआई प्रतिबद्धता के साथ महंगाई दर को साल 2023 में

अधिकतर समय पर आरबीआई के बैंड चार से छह प्रतिशत के बीच बनाए रखने में सफल रहा। मौसम की चुनौतियों के कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण चिंता जरूर बढ़ी पर सरकार और आरबीआई के कदमों से इसे संतोषजनक दायरे में लाने में सफलता मिली। बढ़ती महंगाई को देखते हुए आरबीआई ने रेपो रेट को शुरुआत में बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। उनका यह कदम सही साबित हुआ है और इससे महंगाई पर काबू पाने में मदद मिली। महंगाई के मोर्चे पर स्थिरता आने के बाद फरवरी 2023 के बाद से रेपो रेट को स्थिर रखा गया।

बेरोजगारी से जुड़े आंकड़ों में सकारात्मक बदलाव - साल 2023 में देश में बेरोजगारी दर कम करने में भी बड़ी सफलता मिली है। एनएसएसओ की ताजा आवधिक श्रम बल रिपोर्ट देश में 15 साल से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई यह छह साल में सबसे कम है। पिछले साल बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत थी। वहीं 2020-21 में यह दर 4.2 प्रतिशत, 2019-20 में 4.8 प्रतिशत और 2018-19 में 5.8 और 2017-18 में 6 प्रतिशत थी। कामकाजी उम्र की कुल आबादी में 57.9 प्रतिशत लोग श्रम शक्ति में भागीदारी कर रहे हैं। यह संख्या 2017-18 में 49.8 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 50.7 से बढ़कर 60.8 प्रतिशत तो शहरों में 47.6 प्रतिशत से 50.4 प्रतिशत हुई है। पुरुषों की 78.5 प्रतिशत संख्या श्रम शक्ति में भागीदारी कर रही है, यह संख्या 2017-18 में 75.8 प्रतिशत थी। 37 प्रतिशत महिलाएं ही श्रम शक्ति का हिस्सा हैं, 2017-18 में इनकी संख्या 23.3 प्रतिशत थी। रिपोर्ट ने यह भी बताया कि गांवों में बेरोजगारी कम है। यहां 2017-18 में 5.3 प्रतिशत बेरोजगारी थी, 2022-23 में यह महज 2.4 प्रतिशत रह गई। शहरों में इसी दौरान बेरोजगारी दर 7.7 प्रतिशत से घट कर 5.4 प्रतिशत पर आई।

सीबीडीसी का सफल प्रयोग - आरबीआई की ओर से लॉन्च की गई डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी के लिहाज से भी साल 2023 अहम साबित हुआ है। देश के चुनिंदा शहरों कें सीबीडीसी की लॉन्चिंग के बाद इसके प्रति लोगों में उत्साह दिखा। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) या ई-रुपये के सीमापार लेन-देन के उपयोग से लागत में दो से तीन फीसदी की बचत होती है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा, सीबीडीसी का उपयोग कारोबार, पैसा भेजने या किसी और इस्तेमाल में भी सीमापार के लिए किया जा सकता है। सेठ ने कहा, फिलहाल, सीमापार भुगतान की बहुत कुशल प्रणाली नहीं है। इसमें समय लगता है। अप्रवासी भारतीय हर साल भारत में करीब 100 अरब डॉलर भेजते हैं।

जी-20 समिट का सफल आयोजन - साल 2023 भारत की अध्यक्षता में जी 20 के सफल आयोजन के लिए भी जाना जाएगा। जी 20 समिट के दौरान 115 से अधिक देशों से आए 25 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने देशभर के 60 शहरों में 220 से ज्यादा मीटिंग की। भारत की अध्यक्षता में हुई जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने वसुधैव कुटुंबकम का आपना संदेश पूरी दुनिया को दिया। ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते या एफटीए की दिशा में भी साल 2023 में अहम बातचीत हुई। जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम आने उम्मीद है।

आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर की घोषणा - भारत की अध्यक्षता में हुई जी20 समिट की एक अहम उपलब्धि आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर की घोषणा रही। यह कॉरिडोर जल्द ही भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच बनेगा। यह कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक और अपनी तरह की पहली पहल है। जिसमें भारत, यूएई, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हो रहे हैं। इस कॉरिडोर के साथ अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए इटली ने हाल ही में चीन के बीआरई प्रोजेक्ट से अलग होने की घोषणा कर दी है। यह रणनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

फंड जुटाने के लिए आकर्षक जमा योजनाएं लाएं बैंक

धोखाधड़ी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई पर दिया गया जोर

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजिनक क्षेत्र के बैंकों से जनता से ज्यादा जमा राशि जुटाने के लिए नवीन और आकर्षक योजनाएं लाने के लिए कहा। इससे बैंकों को ज्यादा कर्ज देने में मदद मिलेगी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने धोखाधड़ी और जानबूझकर चूक करने वालों से मिलीभगत करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पिछले कई महीनों से बैंकों की जमा और कर्ज की वृद्धि में तालमेल नहीं बन पा रहा है। इस कारण बैंकों को अपनी संपत्ति और देनदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सावधि जमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कुछ बैंकों की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने के बावजूद ऋण और जमा वृद्धि के बीच का अंतर अभी भी 3-4 प्रतिशत है। एक बयान के अनुसार, वित्त मंत्री ने बैंकों के प्रदर्शन में सुधार पर संतोष जताया। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक धोखाधड़ी व्यक्तिगत ग्राहकों और वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करती है। इससे वित्तीय नुकसान हो सकता है और बैंकिंग प्रणाली में जनता का विश्वास कम हो सकता है।

वित्त मंत्री ने बैंकों से बड़े कॉरपोरेट फ्रॉड और जानबूझकर चूक करने वालों के साथ धोखा देने वाले व्यक्तिगत ग्राहकों पर कार्रवाई के लिए ध्यान केंद्रित करने को कहा। साथ ही बैंकों को एडवांस्ड धोखधड़ी रोकथाम और पहचान तंत्र अपनाने का निर्देश दिया। बैठक में साइबर सुरक्षा से संबंधित चिंताओं और वित्तीय क्षेत्र पर इसके जोखिमों को लेकर चर्चा की गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान सरकारी बैंकों को 68,500 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। बैठक में बताया गया कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान बैंकों की बैलेंस शीट में जमा और कर्ज वितरण के लिहाज से स्वस्थ वृद्धि रही है। मार्च 2023 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए एक दशक के निचले स्तर 3.9 प्रतिशत पर रहा था, जो सितंबर में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गया है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को मिली नई जिम्मेदारी, अब संभालेंगे यह अहम पद

नई दिल्ली।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया को वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वित्त मंत्रालय ने नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी की हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि वित्त मंत्रालय से जुड़े ऋत्विक रंजनम पांडे वित्त आयोग के सचिव होंगे। आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्य अपने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तिथि या 31 अक्टूबर, 2025, जो भी पहले हो तक पद पर बने रहेंगे। गौरतलब हैं कि वित्त आयोग संघ और राज्यों के बीच करों की शुद्ध आय के वितरण के बारे में सिफारिशें करता हैं। अधिसूचना के मुताबिक, आयोग आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) के तहत गठित धन के संदर्भ में आपदा प्रबंधन पहल के वित्तपोषण पर वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा कर सकता है और उसके बाद उचित सिफारिशें कर सकता है। भारत सरकार द्वारा मार्च 2012 में डॉ. पनगढ़िया को पद्मभूषण से सम्मानित किया जा चुका है। यह तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान हैं। इन्होंने प्रिंसटन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी की हैं। विश्व बैंक, आईएमएफ जैसे विश्वस्तरीय संस्थानों में कई पदों पर वह कार्यरत रह चुके हैं। प्रोफेसर पनगढ़िया को भारतीय अर्थव्यवस्था के अग्रणी विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। वे एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री रह चुके हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में अरविंद पनगढ़िया को नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन दो वर्ष बाद उन्होंने इस पद से भी इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद वह कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ाने वापस चले गए थे। जनवरी 2015 से अगस्त 2017 तक अरविंद पनगढ़िया ने नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। इन वर्षों के दौरान उन्होंने भारत के जी20 शेरपा के रूप में भी काम किया है। 1978 से 2003 तक कॉलेज पार्क में मैरीलैंड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के संकाय में थे।

महिला के सैंडविच में कीड़ा, दिल्ली से मुंबई जाने वाले विमान की घटना; वीडियो देख एयरलाइंस ने कही यह बात

नई दिल्ली।

इंडिगो की महिला यात्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर सैंडविच में कीड़ा मिलने की शिकायत की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से मुंबई जाने वाली उड़ान संख्या 6श्व 6107 में स्नैक्स खरीदने पर परोसे गए सैंडविच का जिक्र करते हुए महिला ने बताया कि सैंडविच में कीड़ा मिला। घटना के बाद एयरलाइंस ने माफी मांगी और कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। महिला यात्री खुशबू गुप्ता ने फ्लाइट में खरीदी गई सैंडविच में कीड़े का वीडियो क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा, दिल्ली से मुंबई जाने वाली उड़ान संख्या- 6ई 6107 में महिला यात्री के अनुभव और चिंता से कंपनी अवगत है। गौरतलब है कि इंस्टाग्राम हैंडल वीडियो में महिला यात्री ने एयरलाइंस की तरफ से परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि केबिन क्रू को कीड़ा मिलने की सूचना दी गई। इसके बावजूद कर्मचारियों ने अन्य यात्रियों को सैंडविच बांटना जारी रखा।

महिला यात्री खुशबू गुप्ता ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि कर्मचारियों को किस तरह का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने सवाल किया कि ऐसे खाद्य पदार्थों के कारण अगर किसी को संक्रमण हो जाता है तो कौन जिम्मेदार होगा इंस्टा प्रोफाइल पर लिखे विवरण के मुताबिक महिला डाइटिशियन हैं। सेहत और सौंदर्य से जुड़े विषयों पर क्लिनिकल एडवाइजर खुशबू गर्भवती महिलाओं को सलाह भी देती हैं। वीडियो को 18 हजार से अधिक लाइक मिल चुके हैं। दर्जनों लोगों ने इस पर कमेंट्स भी किए हैं।

वीडियो सामने आने पर एयरलाइंस ने कही यह बात

पूरे मामले पर प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, मामले की जांच के बाद हमारे दल ने संबंधित विशिष्ट सैंडविच की सेवा तुरंत बंद कर दी थी। मामले की अभी गहन जांच की जा रही है। इंडिगो की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, यात्रियों को परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों को लेकर उचित सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। कंपनी अपने कैटरर के साथ मिलकर काम कर रही है। यात्रियों को हुई किसी भी असुविधा के लिए विमानन कंपनी ईमानदारी से माफी मांगती है।

आईफोन यूजर्स भी इस्तेमाल कर सकेंगे को-पायलट ऐप

माइक्रोसॉफ्ट का एआई ऐप आईओएस यूजर्स के लिए लॉन्च, जीडीपी -4 मॉडल का फ्री एक्सेस मिलेगा

नई दिल्ली।

टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने ऐपल के आईओएस यूजर्स के लिए नया को-पायलट ऐप लॉन्च किया है। यानी आईफोन और आईपैड यूजर्स इस ऐप को इस्तेमाल कर सकेंगे। कंपनी ने हाल ही में एंड्रॉयड यूजर्स के लिए इसे पेश किया था। अब यह ऐपल के ऐप स्टोर पर यह नई ऐप डाउनलोड करने के लिए अवेलेबल हो गई है। कोपायलट ऐप का उपयोग वही यूजर्स कर पाएंगे, जो अपने डिवाइस को आईओएस 15, आईपैडओएस 15 या बाद के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चला रहे हैं।

सर्च इंजन बिंग से अलग है यह ऐप

इस ऐप के जरिए यूजर अपने एआई चैटबॉट को एक नई सर्विस के रूप में इस्तेमाल कर पाएंगे। यह ऐप सर्च इंजन बिंग से अलग है और पूरी तरह से माइक्रोसॉफ्ट के एआई टेक्नोलॉजी पर बेस्ड है। माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ महीने पहले बिंग चैट का नाम बदलकर को-पायलट कर दिया था।

शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट का एआई बिंग सर्च इंजन का पार्ट था, जिसके सर्च रिजल्ट का इंटरफेस चैट-जीपीटी की तरह दिखता था। यह फीचर अब भी अवेलेबल है, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट को-पायलट को एक अलग प्लेटफॉर्म के तौर पर प्रमोट कर रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट को-पायलट क्या-क्या काम करता है

फंक्शनालिटी की बात करें तो

माइक्रोसॉफ्ट के इस को-पायलट में चैट-जीपीटी की तरह ही सिमिलर फीचर्स हैं यह ओपन-एआई के लेटेस्ट जीडीपी -4 मॉडल का फ्री एक्सेस देता है। यह ऐप चैटबॉट के साथ इंटरेक्शन करने की सुविधा देता है। मदद से इमेज क्रिएट करने के साथ-साथ ईमेल लिखने और डॉक्यूमेंट बनाने में मदद करता है। माइक्रोसॉफ्ट के इस असिस्टेंट में वॉइस इनपुट देने का ऑप्शन भी मिल जाता है। चीजों को सर्च या एक्सेस करने के लिए ऐप में इमेज और टेक्स्ट इनपुट का ऑप्शन भी मिलता है।

गूगल प्लेस्टोर पर 5 हजार से ज्यादा डाउनलोड्स

नया को-पायलट ऐप गूगल प्ले-स्टोर पर अवेलेबल है और 5 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे डाउनलोड भी कर लिया है। फिलहाल इसका आईओएस वर्जन अवेलेबल नहीं है, लेकिन कंपनी के मुताबिक, यह जल्द ही अवेलेबल हो जाएगा। तबतक, आईओएस यूजर्स बिंग ऐप पर को-पायलट फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अभी चैटजीपीटी सबसे आगे

एआई की दुनिया में फिलहाल माइक्रोसॉफ्ट के बड़े निवेश वाली कंपनी ओपनएआई का चैटजीपीटी सबसे आगे है। चैटजीपीटी को पिछले साल 30 नवंबर को लॉन्च किया गया था और एक महीने के भीतर इसके यूजर्स की संख्या दस करोड़ को पार कर गई थी। गूगल का चैटबॉट बार्ड के लार्ज लैंग्वेज मॉडल पर बेस्ड है।

कोई भी सवाल पूछ सकते हैं

चैटजीपीटी से आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इसके लिए सलाह भी आप चैट चैटजीपीटी से ले सकते हैं। सुंदर पिचाई 2016 में गूगल के सीईओ बने तो घोषणा की थी कि उनके लिए गूगल सबसे पहला एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) है। यह भी भविष्यवाणी की थी कि एआई का प्रभाव बिजली या आग से बड़ा होगा। हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट ने एआई चैटबॉट चैटजीपीटी लॉन्च किया और यह सुर्खियों में आ गया। इसकी क्षमता और सीमाओं को लेकर नई बहस छिड़ गई।

एमसीजी में बाबर को आउट करने वाले कमिंस ने मुझे डेनिस लिली की महानता की याद दिला दी : इयान चैपल

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि एमसीजी में दूसरे टेस्ट के दौरान पैट कमिंस ने जिस तरह से बाबर आजम को आउट किया, उसने उन्हें महान तेज गेंदबाज डेनिस लिली और गेंद के साथ उनकी महानता की याद दिला दी। एमसीजी में, कमिंस ने आजम को पाकिस्तान की पहली पारी में ऑफ-स्टंप के शीर्ष पर लगी एक गेंद पर आउट किया, जिसे बाद में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने ड्रीम बॉल के रूप में वर्णित किया। आख़िरकार, कमिंस ने मैच में दस विकेट लिए और एलन बॉर्डर के बाद ऐसा करने वाले केवल दूसरे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बने। बॉर्डर लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाज थे और उन्होंने जनवरी 1989 में शक्तिशाली वेस्ट इंडीज के खिलाफ सिडनी में 96 रन पर 11 विकेट हासिल किये थे। जैसा कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने दूसरे टेस्ट में अपनी टीम को कड़ी जीत दिलाने के लिए पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप को चतुराई से तोड़ दिया, मैंने सोचा: टेस्ट शिकारों को इकट्ठा करने में क्या लगता है - उनमें से बहुत सारे मैं प्रेरणादायक गुणों और दिल के आकार दोनों में कमिंस की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान पूर्व तेज गेंदबाज डेनिस लिली से करता हूं। लिली बल्लेबाजों को आउट करना चाहते थे, उनका नंबर हासिल करना चाहते थे। वह कहते हैं, तेज गेंदबाजी एक मानसिक काम है और साथ ही शारीरिक भी। अपने निशान के शीर्ष पर, लिली ने गेंद को कीपर रॉड मार्श के पास से उड़ते हुए देखा, जो पीछे खड़े होकर सिर की ऊंचाई पर गेंद ले लेगा। जब लिली तेज गेंदबाजी के मानसिक पक्ष के बारे में बात करता है तो उसका यही मतलब होता है। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, कमिंस ने पाकिस्तान के बाबर आजम को बोल्ड करने के लिए जो शानदार गेंद फेंकी - एक बार फिर विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को आउट कर दिया - उसने मुझे लिली की महानता की याद दिला दी। लिली की तरह, कमिंस भी बाबर को आउट करना चाहते थे। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि किस वजह से लिली और अब कमिंस की गेंदबाजी से बल्लेबाज डरने लगे। यह तब भी होता है जब आपको उस मानसिक दृढ़ता की हर तरह की आवश्यकता होती है जिसके बारे में लिली बोलते हैं और कमिंस प्रदर्शित करते हैं। विकेट महत्वपूर्ण हैं, बस कमिंस से पूछो। लिली के महान गुणों में से एक यह था कि एक बल्लेबाज को पहले उनके विशाल कौशल पर काबू पाना था, जो कोई आसान उपलब्धि नहीं थी।

न्यूज ब्रीफ

एआईटीए को डेविस कप के लिए पाकिस्तान दौरे को मंजूरी मिलने की उम्मीद, तीन और चार जनवरी को है मैच

नई दिल्ली । भारतीय टीम को आगामी डेविस कप टेनिस मुकाबले के लिए पाकिस्तान जाने की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने यह जानकारी दी। एआईटीए ने हाल ही में खेल मंत्रालय से सलाह मांगी थी कि क्या वे तीन और चार फरवरी को पाकिस्तान में होने वाले विश्व ग्रुप वन प्लेऑफ के लिए टीम भेज सकते हैं। एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने कहा, 'हमें अभी तक लिखित में मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन जल्दी ही मिल जाएगी। खेल मंत्रालय ने विदेश और गृह मंत्रालय को अनुरोध भेज दिया है और उनकी राय के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। हमें जल्दी ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। हम मुकाबले और यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने कहा कि इस्लामाबाद में होने वाले डेविस कप मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों की भागीदारी को लेकर उसे अंतिम पुष्टि का इंतजार है। पीटीएफ अध्यक्ष सलीम सैफुल्लाह ने कहा,एआईटीएफ ने हमें वीजा के लिए 11 अधिकारियों और सात खिलाड़ियों की सूची भेजी है। हमें उनके आने की अंतिम पुष्टि का इंतजार है। एआईटीए ने कहा है कि उनकी सरकार से पाकिस्तान यात्रा की मंजूरी मिलने के बाद ही वे पुष्टि करेंगे। सूची में एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन और सचिव अनिल धूपर के भी नाम हैं।

ब्रिसबेन में डोमिनिक थिएम के मैच के दौरान हंगामा, टेनिस कोर्ट पर निकला जहरीला सांप

नई दिल्ली । पूर्व अमेरिकी ओपन विजेता डोमिनिक थिएम ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग मैच में जीत हासिल करने में सफल रहे। इस मैच के दौरान ग्राउंड पर जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांप के टेनिस कोर्ट पर आने से खेल रुकने के बाद जीत दर्ज करने में सफल रहे। थिएम पहले दौर के क्वालिफाइंग मैच के दौरान 20 साल के ऑस्ट्रेलियाई जेम्स मैककाबे से एक सेट से पिछड़ रहे थे तभी दर्शकों ने कोर्ट के करीब एक सांप को देखा। सुरक्षाकर्मी तेजी से कोर्ट के पास पहुंचे और अंपायर को खेल रोकना पड़ा क्योंकि सांप कोर्ट पर रेंग रहा था जिससे खिलाड़ी और दर्शक भयभीत थे। थिएम ने कहा, मुझे जानवर पसंद हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह बहुत ही जहरीला सांप था और यह बॉल किड्स के करीब था इसलिए यह काफी खतरनाक स्थिति थी। ऐसा मेरे साथ कभी नहीं हुआ और मैं इसे कभी नहीं भूल पाऊंगा। यह सांप 50 सेंटीमीटर लंबा था और ऑस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांपों में से एक है। उसे जल्द ही वहां से हटा लिया गया जिसके बाद ही खेल शुरू हो पाया। फिर थिएम ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर दूसरा सेट टाईब्रेक में जीतकर बराबरी हासिल की। इसके बाद 30 साल के इस खिलाड़ी ने 2-6, 7-6 (4), 6-4 से जीत हासिल की। यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अंतिम क्वालिफाइंग दौर में इटली के गुईलियो जेपिएरी या ओमर जासिका के बीच मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा।

रऊफ बिग बैश की जगह टेस्ट सीरीज खेलते तो अच्छा रहता : शाहिद अफरीदी

मेलबर्न । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग की जगह टेस्ट टीम से खेलना चाहिये था। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पाक टीम की कमजोर गेंदबाजी को देखते हुए अफरीदी ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि यहां के हालातों में अपनी तेज गति के कारण रऊफ राष्ट्रीय टीम की ओर से प्रभावी भूमिका निभा सकते थे। वहीं अफरीदी ने कहा कि शाहीन अफरीदी की गति में आई गिरावट का कारण चोटिल होना नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे कभी नहीं लगा कि शाहीन को चोट लगी है क्योंकि यदि आप फिट नहीं है तो एक तेज गेंदबाज के तौर पर नहीं खेल सकते हैं। वह अपनी जिम्मेदारी जानता है और वह यह भी जानता है कि वह टीम के लिए कितना अहम है। साथ ही कहा कि हम तेज गेंदबाजों से जरुरत से ज्यादा उम्मीद कर रहे हैं। इसका कारण है कि शुरुआत से ही पाक टीम अपनी अच्छी गेंदबाजी के लिए जानी जाती थी। साथ ही कहा कि बाबर, रिजवान, शाहीन आदि ने पूर्व में इतना अच्छा प्रदर्शन किया है कि हम उनसे हर मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं जबकि क्रिकेट में निरंतरता बनाये रखना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी बेंच मजबूत नहीं होगी हम सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज नहीं ला सकते। ए टीम को भी मुख्य टीम की तरह मजबूत होना चाहिए क्योंकि जब हमारी बेंच मजबूत होगी, तो हमारे पास बेहतर खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं रह जाएगी।

न्यूजीलैंड-बांग्लादेश टी-20 सीरीज ड्रॉ

आखिरी मैच में कीवी टीम ने बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस नियम से 17 रन से हराया

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच खेले गए आखिरी टी-20 मैच में कीवी टीम ने डकवर्थ लुईस नियम से 17 रन से मुकाबले को जीत लिया। इसके साथ ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई। इससे पहले माउंट मॉनगनुई में खेला गया दूसरा टी-20 भी बारिश की वजह से रद्द हो गया था। जबकि पहले टी-20 मैच में बांग्लदेश ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया था।

न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ और बांग्लादेश की पूरी टीम 19.2 ओवर में सिर्फ 110 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बांग्लादेश को पहला झटका 4 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर सौम्य सरकार टिम सउदी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू होकर पवेलियन लौटगए। बांग्लादेश के 6 ओवर के बाद स्कोर 3 विकेट पर 45 रन था। वहीं 68 रन तक बांग्लादेश के 5 विकेट गिर चुके थे। बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। बांग्लादेश की ओर से कैप्टन नजमुल हुसैन शांतो टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 15 गेंदों पर 17 रन बनाए।

मिचेल सैंटनर न्यूजीलैंड के रहे टॉप विकेट टेकर

न्यूजीलैंड के लिए कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 16 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उन्होंने अफिफ हुसैन (14), तौहीद हृदय (16), शमीम हुसैन (9) और मेहदी हसन (4) को अपना शिकार बनाया।इनके अलावा टिम सउदी ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 और एडम मिल्ने ने 3.2 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट और बेन सियर्स ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। जेम्स नीशम और सैंटनर ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला कीवी टीम को भी शुरुआती झटके लगे, लेकिन जेम्स नीशम (28) और मिचेल सैंटनर (18) ने उन्हें मुकाबले में जीत दिला दी। न्यूजीलैंड का पहला विकेट 16 रन पर गिरा। टिम सेफर्ट 3 गेंदों का सामना कर 1 रन बनाया। 49 रन तक न्यूजीलैंड के 5 विकेट गिर चुके थे। उसके चार बल्लेबाज 1-1 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऐसा लगा कि मैच बांग्लादेश के हाथों में चला जाएगा। जेम्स निशम और मिचेल सैंटनर ने पारी को संभाला और टीम को जीत दिलाई। जब बारिश की वजह से मैच रूका, तब न्यूजीलैंड को 32 गेंदों पर 16 रन की जरूरत थी। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत उसे 17 रन से जीत मिल गई।

बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन- शोरफुल इस्लाम ने 2-2 विकेट लिए

बांग्लादेश के लिए महेदी हसन और शोरफुल इस्लाम ने 2-2 विकेट झटके। महेदी ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन खर्च किए। शोरफुल ने 3.4 ओवर में सिर्फ 17 रन दिए।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अभ्यास में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम, रूपिंदर सिखा रहे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का कौशल

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी नये साल की शुरुआत में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारियों में लगी है। इसके लिए टीम ने दिग्गज ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह की सेवाएं भी ली हैं। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में अगले महीने 13 से 19 जनवरी के बीच खेला जाएगा। रुपिंदर अभ्यास सत्र के दौरान टीम को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का कौशल सिखा रहे हैं। पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलना भारतीय टीम के लिए मुश्किल रहा है। हाल में एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में भी भारतीय टीम की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाने की कमजोरी सामने आई थी। इसी के बाद से ही कोच यानेके शॉपमैन ने इस क्षेत्र पर ध्यान देने पर जार दिया था। शीर्ष महिला ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने भी कहा कि इस शिविर से टीम को बेहद लाभ होगा। गुरजीत ने कहा कि हम हर दिन नयी चीजें सीख रहे हैं और सुधार करने वाले कुछ विशेष बातों पर ध्यान लगाकार अपने खेल में और सुधार कर रहे हैं। रूपिंदर ने हमारे मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हम आगामी टूर्नामेंट की तैयारियों में लगे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि यहां सीखे गये कौशल से हमें खेल में लाभ होगा। रूपिंदर ने कहा कि गुरजीत और दीपिका की सराहना करते हुए कहा कि वह बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हैं। और हर बात को तेजी से सीख लेती हैं।

मुत्थुपंडी ने राष्ट्रीय कीर्तिमान के साथ जीता स्वर्ण, गुरु राजा को हराकर किया कमाल

नई दिल्ली ।

रेलवे के मुत्थुपंडी राजा ने राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रचते हुए 61 भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने कांटे के संघर्ष में राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार पदक (रजत और कांस्य) जीतने वाले सर्विसेज के गुरु राजा पुजारी को पराजित किया। एम राजा ने कुल 279 किलो वजन उठाया, जो राष्ट्रीय कीर्तिमान है। उन्होंने इस भार वर्ग में शुभम की ओर से स्थापित 272 किलो के रिकॉर्ड को तोड़ा। गुरु राजा ने 273 किलो वजन उठाया।

2019 और 2022 में भी जीते हैं राजा

61 भार वर्ग में गत विजेता एम राजा और गुरु राजा के बीच एक बार फिर मुकाबला था। एम राजा ने स्नैच में 121 और क्लीन एंड जर्क में 158 किलो भार उठाया। क्लीन एंड जर्क में भी उन्होंने राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में चौथे स्थान पर रहने वाले एम राजा ने 2019 और 2022 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में गुरु राजा को हराकर स्वर्ण जीता था। गुरु राजा ने स्नैच में 121 और क्लीन एंड जर्क में 152 किलो वजन उठाया। अरुणाचल प्रदेश के शंकर लापुंग ने 271 किलो (121+150) वजन उठाकर कांस्य जीता।

तमिलनाडु को जूनियर वर्ग में स्वर्ण

इस भार वर्ग के जूनियर वर्ग में तमिलनाडु के एस मुथियामनियन (255) ने स्वर्ण, इसी राज्य के रुद्रेश्वर (252) ने रजत, अरुणाचल के चेरा तानिया (241) ने कांस्य पदक जीता। इसी भार के यूथ वर्ग में महाराष्ट्र के अनुष लोखंडे (233), ओडिशा के सदानंद बारिहा (233) ने रजत और मध्य प्रदेश के सुमित राजपूत (233) ने कांस्य जीता।

दीपाली ने 45 भार वर्ग में जीता सोना

महिलाओं के 45 भार वर्ग में रेलवे की दीपाली गुरसाले ने 160 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। उन्होंने 2012 में विश्व यूथ वेटलिफ्टिंग में पदक जीतने वाली बंगाल की चंद्रिका तरफदार (158) को पराजित किया। चंद्रिका ने अंतरराज्यीय वर्ग में स्वर्ण जीता।

केपटाउन टेस्ट में वापसी के लिए रोहित सहित पूरी टीम को करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

केपटाउन।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अब 3 जनवरी से मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। रोहित पहले टेस्ट में रन नहीं बनाये थे। इस मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। दो मैचों की इस सीरीज को बराबरी पर लाने के लिए अब भारतीय टीम को अगला मुकाबला जीतना ही होगा। भारतीय टीम के लिए हालांकि वापसी आसान नहीं रहेगी क्योंकि मेजबान टीम के हौंसले पहले टेस्ट में जीत से बुलंद हैं।

भारतीय टीम को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो कप्तान रोहित के अलावा उनके सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल को भी जिम्मेदारी से खेलना होगा। दोनों को बाहर की गेंद पर ड्राइव करने की जगह छोड़ना पड़ेगा। नई गेंद से विकेट नहीं मिलने से दक्षिण अफ्रीका की टीम को हावी होने का अवसर नहीं मिलेगा। इसके साथ ही कप्तान रोहित को गेंदबाजों का सही प्रयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम गेंदबाजों का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए। उन्होंने लगातार रन दे रहे शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा को एक साथ गेंदबाजी दे दी। पहले मैच में भारतीय टीम 6 प्रमुख बल्लेबाज और 5 गेंदबाज के साथ उतरी थी। शार्दुल और अश्विन बल्लेबाजी कर सकते हैं प कठिन हालातों में इनफर भरोसा नहीं किया जा सकता है। भारतीय टीम को मेजबान टीम की तरह ही 7 प्रमुख बल्लेबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। इसके साथ ही भारतीय बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी होगी। पहली पारी में श्रेयस अय्यर तो दूसरी पारी में शुभमन गिल ने जमने के बाद अपने विकेट गंवा दिये थे।

विनेश फोगाट ने कर्तव्य पथ पर छोड़ा खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार, बजरंग पूनिया ने शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली ।

दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट ने अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार वापस कर दिया है। उन्होंने 26 नवंबर को पुरस्कारों को लौटाने का एलान किया था। विनेश ने प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर कर्तव्य पथ पर खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार को रख दिया। इसे बाद में पुलिस ने उठा लिया। पहलवान बजरंग पूनिया ने इस पूरे वाकये का वीडियो शेयर किया है। बजरंग पूनिया ने एक्स (पहले ट्विटर) लिखा, यह दिन किसी खिलाड़ी के जीवन में न आए। देश की महिला पहलवान सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं। विनेश और उनके साथी प्रधानमंत्री कार्यालय जाना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। उसके बाद विनेश ने कर्तव्य पथ पर अपने पुरस्कारों को रख दिया। यह दिन किसी खिलाड़ी के जीवन में न आए। देश की महिला पहलवान सबसे बुरे दौर से गुज़र रही हैं।

बजरंग पूनिया भी लौटा चुके हैं पुरस्कार

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे। इसमें संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद साक्षी मलिक ने यह कहते हुए कुश्ती से संन्यास ले लिया कि फिर से बृजभूषण जैसा ही चुना गया है तो क्या करें इसके बाद बजरंग ने पद्म श्री लौटाया और अब विनेश ने अपना खेल रत्न लौटा दिया है। पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह भी अपना पद्म श्री लौटाने की बात कह चुके हैं।

विनेश की उपलब्धियां

- वर्ष 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- वर्ष 2019 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता।
- वर्ष 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता।
- वर्ष 2014, 2018 व 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक
- प्रतिष्ठित लॉरियस अवार्ड के लिए नामांकित होने वाली पहली भारतीय एथलीट बनी।

चार वर्ष के अंतराल में मिले थे दोनों अवॉर्ड

विनेश फोगाट को वर्ष 2016 में अर्जुन अवॉर्ड व वर्ष 2020 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड मिला था।

शुरुआती टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड का भारत देर से पहुंचना सही है: स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन।

पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले इंग्लैंड का भारत में देर से पहुंचना सही है। उन्होंने कहा कि कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इस तरह की व्यवस्था भारी भरकम क्रिकेट कैलेंडर में टीम के कार्यक्रम पर अधिक नियंत्रण रखने के लिए है।

25 जनवरी को भारत के खिलाफ श्रृंखला के शुरूआती मैच से तीन दिन पहले हैदराबाद पहुंचने से पहले इंग्लैंड अबू धाबी में एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेगा। अगले महीने पहले टेस्ट से केवल तीन दिन पहले भारत के लिए उड़ान भरने का निर्णय इंग्लैंड की तैयारी को कम नहीं कर रहा है - ब्रेंडन मैकुलम कोच और कप्तान के तौर पर बेन स्टोक्स इसे नियंत्रित कर रहे हैं।

ब्रॉड ने डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट में, जब आप किसी देश का दौरा करते हैं, हफ्तों पहले पहुंचते हैं, तो वार्म-अप पिचें, नेट की गुणवत्ता, आपके द्वारा खेले जाने वाले मैच और आपकी यात्रा का कार्यक्रम शायद ही कभी आपकी मदद के लिए व्यवस्थित किया जाता है। इसलिए मैकुलम और स्टोक्स 25 जनवरी को हैदराबाद में श्रृंखला के शुरूआती मैच से पहले इसे किसी और के हाथों में छोड़ने के बजाय इस अवधि का स्वामित्व ले रहे हैं।

भारत में श्रृंखला स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के लिए सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है, खासकर उनके खेलने की बेहद आक्रामक शैली और स्पिन के अनुकूल उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में इसे जारी रखने के मामले में। इंग्लैंड ने 2021 में चेन्नई में सीरीज का पहला मैच जीता था, लेकिन सीरीज 3-1 से हार गया था।

ब्रॉड ने यह भी लिखा कि अबू धाबी में प्रशिक्षण शिविर से इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टेस्ट से पहले तैयारी का शानदार माहौल बनाने में कैसे मदद मिल सकती है। 10-दिवसीय अबू धाबी प्रशिक्षण शिविर में, मैकुलम नेट सतहों का चयन कर सकते हैं, मध्य अभ्यास को नियंत्रित कर सकते हैं, एक

दिन के प्रशिक्षण को बढ़ा सकते हैं और उड़ान को कम कर सकते हैं।

मैं उन देशों में गया हूँ जहाँ आपको दोपहर में प्रशिक्षण लेना है और वहाँ जाकर मैंने पाया कि जालों पर पानी डाला गया है और उन्हें ढक दिया गया है। यह अच्छा नहीं है। अबू धाबी में इंग्लैंड को घरेलू टीम जैसा महसूस होगा।

आखिरकार, हमें नतीजे पर ही पता चलेगा कि यह सही है या गलत। अगर इंग्लैंड 80 रन पर आउट हो जाता है और 500 रन दे देता है, तो अबू धाबी असफल हो जाएगा, लेकिन अगर ओली पोप 270 रन बना लेते हैं और जैक लीच 10 विकेट ले लेते हैं, तो यह सफलता हो जाएगी। यह न तो मैच-तत्परता की कमी है और न ही भारत के लिए अपमानजनक है।

यह एक प्रतिष्ठित दौरा है और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के लिए यह बहुत मायने रखता है। यह कम तैयारी और बेहतर होने का मामला नहीं है, यह बस संभवत: सर्वश्रेष्ठ प्री-सीरीज़ माहौल बनाने का एक प्रयास है।

हैदराबाद में मैच के बाद भारत और इंग्लैंड अगले टेस्ट मैच विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में खेलेंगे। इंग्लैंड लायंस टीम जनवरी में अहमदाबाद में भारत ए टीम के खिलाफ मैच भी खेलेगी।

ब्रॉड का मानना है कि केवल प्रमुख बल्लेबाज जो रूट ही मैचों से पहले मानसिक तैयारी में स्टोक्स की बराबरी कर सकते हैं। हां, इंग्लैंड का कप्तान एक बेहतरीन प्रशिक्षक है। घुटने की सर्जरी के बाद पुनर्वास के दौरान उनके पैरों का विकास कैसे हुआ, इसकी तस्वीरें देखकर आपको यह पता चलता है, लेकिन नेट के संदर्भ में, वह केवल तभी हिट करते हैं जब वह तैयार होते हैं और इसका मतलब एक दिन में दो घंटे और अगले दिन केवल पांच मिनट हो सकता है।

उन सभी खिलाड़ियों में से जिनके साथ मैंने खेला, केवल पूर्व कप्तान जो रूट ही मानसिक तैयारी में स्टोक्स की बराबरी कर सकते थे, और वह किसी और को यह आंकने नहीं देते कि वह कैसा महसूस कर रहे हैं। यदि पाँच मिनट पर्याप्त लगता है, तो वह पाँच मिनट पर्याप्त करता है। 18 महीने तक मैकुलम के नेतृत्व में खेलने और स्टोक्स के फॉलो-माय-लीड वाइब को जानने के बाद, आप यह भी शर्त लगा सकते हैं कि खिलाड़ी दोपहर में भी गोल्फ खेल रहे होंगे... महत्वपूर्ण रूप से, हालांकि, सुबह 9 बजे से प्रशिक्षण के दौरान अपने बैकसाइड पर काम करने के बाद ही। दोपहर 1 बजे तक, यह आपका मानसिक पलायन है - मैंने इसे जीया और इसमें सांस ली और इसके फायदे महसूस किए। इंग्लैंड की टीम ने भी ऐसा ही किया, जिसने 18 टेस्ट मैचों में 13 जीते और एक बार ड्रा खेला।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान यथास्थान स्थापित

सुनील कुमार
पुलिस उप महानिरीक्षक

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित प्राचीन भारतीय हिंदू पवित्र आदि महाकाव्य *रामायण* के अनुसार ब्रह्मा जी के पुत्र मरीची एवम् मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप ने विवस्वान को जन्म दिया और विवस्वान से ही सूर्यवंश का उदय हुआ। इसी क्रम में इक्ष्वाकु कुल में वैवस्वत मन्वंतर के 23 वे चतुर्युग के त्रेता युग में आज से लगभग 8,80,100 वर्ष पूर्व महाराज दशरथ और महारानी कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र, सीता माता के पति, लक्ष्मण, भरत तथा शत्रुघ्न के भ्राता, लव एवं कुश के पिता तथा भगवान् विष्णु के 7वें अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म भारत के पवित्र सरयू नदी के तट पर बसे अयोध्या नामक नगर जो कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश प्रान्त में अवस्थित है में हुआ था।

चैत्रे नावमिके तिथौ।।
नक्षत्रेऽदितिदैवत्ये स्वोच्चसंस्थेषु पञ्चसु।
ग्रहेषु कर्कटे लग्ने वाक्पताविंदुना सह॥

अर्थात् चैत्र मास की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में, पांच ग्रहों के अपने उच्च स्थान में रहने पर तथा कर्क लग्न में चंद्रमा के साथ गुरु के स्थित होने पर (प्रभु श्री राम का जन्म हुआ)। वैदिक धर्म के कई त्योहार जैसे दशहरा, राम नवमी और दीपावली श्रीराम की वन-कथा, अधर्म पर धर्म की विजय, प्रभु राम के अयोध्या आगमन आदि से जुड़े हुए हैं। रामायण भारतीयों के मन में बसता आया है और आज भी उनके हृदय में इसका भाव निहित है। भारत में किसी व्यक्ति को नमस्कार करने के लिए राम राम, जय सियाराम जैसे शब्दों को प्रयोग में लिया जाता है जो कि भारतीय संस्कृति के आधार हैं। श्री राम मंदिर का निर्माण भगवान राम के भक्तों के लिए एक सपना था जो कि कई शताब्दियों की बहु प्रतीक्षा के बाद बन रहा है। इसके पुनर्निर्माण के लिए 1528 से लेकर 2020 तक यानी 492 साल के इतिहास में कई मोड़ आए। आइए आपको बताते हैं कि सन 1528 में मुगल बादशाह बाबर के सिपहसालार मीर बाकी ने (विवादित जगह पर) एक मस्जिद का निर्माण कराया। इसे लेकर हिंदू समुदाय ने दावा किया कि यह जगह भगवान राम की जन्मभूमि है और यहां एक प्राचीन मंदिर था। हिंदू पक्ष के मुताबिक मुख्य गुंबद के नीचे ही भगवान श्री राम का जन्म स्थान था। बाबरी मस्जिद में तीन गुंबदें थीं। सन 1853-1949 के दौरान 1853 में इस जगह के आसपास पहली बार दंगे हुए। 1859 में अंग्रेजी सरकार ने विवादित जगह के आसपास बाड़ लगा दी। मुसलमानों को ढांचे के अंदर और हिंदुओं को बाहर चबूतरे पर पूजा करने की इजाजत दी गई। इसके बाद 1949 में असली विवाद शुरू हुआ जब 23 दिसंबर 1949 को भगवान श्री राम की मूर्तियां मस्जिद में पाई गईं। हिंदुओं का कहना था कि भगवान श्री राम प्रकट हुए हैं जबकि मुसलमानों ने आरोप लगाया कि किसी ने रात में चुपचाप मूर्तियां वहां रख दीं। तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने मूर्तियां हटाने का आदेश दिया लेकिन उस समय के जिला मैजिस्ट्रेट (डी.एम.) श्री के.के. नायर ने दंगों और हिंदुओं की भावनाओं के भड़कने के डर से इस आदेश को पूरा करने में असमर्थता जताई। सरकार ने इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया। वर्ष 1950 में फैजाबाद सिविल कोर्ट में दो अर्जी दाखिल की गई जिनमे से एक रामलला की पूजा की इजाजत और दूसरे में विवादित ढांचे में भगवान राम की मूर्ति रखे रहने की इजाजत मांगी गई। 1959 में निर्मोही अखाड़ा ने तीसरी अर्जी दाखिल की। इसके बाद 1961 में यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अर्जी दाखिल कर विवादित जगह के पजेशन और मूर्तियां हटाने की मांग की एवं वर्ष 1984 में विवादित ढांचे की जगह मंदिर बनाने की। 1984 में विश्व हिंदू परिषद ने एक कमेटी गठित की तथा 1986 में श्री यू. सी. पांडे की याचिका पर फैजाबाद के जिला जज श्री के.एम. पांडे ने 1 फरवरी 1986 को हिंदुओं को पूजा करने की इजाजत देते हुए ढांचे पर से ताला हटाने का आदेश दिया। 6 दिसंबर 1992 को वीएचपी और शिवसेना समेत दूसरे हिंदू संगठनों के लाखों कार्यकर्ताओं ने विवादित ढांचे को गिरा दिया। देश भर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए जिनमें 2 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। वर्ष 2010 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में विवादित स्थल को सुन्नी वक्फ बोर्ड, रामलला विराजमान और निर्मोही अखाड़ा के बीच 3 बराबर-बराबर हिस्सों में बांटने का आदेश दिया एवं 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट का आह्वान किया। भाजपा के शीर्ष नेताओं पर आपराधिक साजिश के आरोप फिर से बहाल किए। 8 मार्च 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने मामले को मध्यस्थता के लिए पैनल को 8 सप्ताह के अंदर कार्यवाही खत्म करने को कहा। 1 अगस्त 2019 को मध्यस्थता पैनल ने रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा 2 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता पैनल मामले का समाधान निकालने में विफल रहा। तत्पश्चात 6 अगस्त 2019 से सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले की रोजाना सुनवाई शुरू हुई और 16 अक्टूबर 2019 को मामले की सुनवाई पूरी हुई तथा सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा। इस प्रकार 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया जिसमें 2.77 एकड़ विवादित जमीन हिंदू पक्ष को मिली तथा मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुहैया कराने का आदेश दिया गया। इस तरह 25 मार्च 2020 को तकरीबन 28 साल बाद रामलला टेंट से निकल कर फाइबर के मंदिर में शिफ्ट हुए। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद दिनांक 5 अगस्त 2020 को आधिकारिक तौर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के भूमिपूजन अनुष्ठान के उपरांत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्री राम के भव्य मदिर का निर्माण अयोध्या में उनके पवित्र जन्म स्थान पर किया जा रहा है। श्री राम निर्माण की आधारशिला के समारोह से पहले तीन दिवसीय वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया तथा आधारशिला के रूप में 40 किलो चांदी की ईंट स्थापित की गई। श्री राम मंदिर निर्माण समाज की एकता और समर्पण की भावना को धरातल पर प्रतिष्ठापित करने में सहायक होगा। श्री राम मंदिर निर्माण मुद्दे ने सम्पूर्ण भारतीय समाज को राष्ट्रीय, सामाजिक और धार्मिक विकास के माध्यम से एक साथ लाने का कार्य किया है। भगवान श्री राम मंदिर का निर्माण हम समस्त भारतीयों लिए एक गौरवपूर्ण, ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम क्षण है जो भारत ही नहीं अपितु विश्व समाज को एक सशक्त, सामृद्धिक और समर्पित देव भूमि की ओर लाने में मदद कर रहा है। श्री राम मंदिर जो कि भारतवर्ष के अयोध्या नगरी में स्थापित किया जा रहा है न केवल एक पूजा स्थल होगा बल्कि एक मनमोहक ऐतिहासिक पर्यटन नगरी के प्रतीक के रूप में स्थापित होगा। श्री राम मंदिर श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक सुख और शांति का मुख्य केंद्र है। इससे पुरानी और नई पीढ़ियों को आध्यात्मिकता, आदर्शवाद और समरसता की मूलभूतता के प्रतीक मान्यता है। सर्वग्राही भगवान श्री राम का यह पावन मंदिर न केवल धार्मिक सहमति का प्रतीक है बल्कि सामरिक समृद्धि के पथ पर एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री राम मंदिर का निर्माण एक सांस्कृतिक पुनर्निर्माण का प्रतीक भी है जिसमें समृद्धि, सामाजिक एकता और समर्पण के मूल मंत्र छिपे हैं। भगवान श्री राम की अद्वितीयता और धर्म के प्रति आत्मसमर्पण का सिद्धांत हमें एक सामर्थ्यपूर्ण और सहानुभूति भरे जीवन की ओर मोड़ने के लिए प्रेरित करता है। श्री राम मंदिर का निर्माण केवल इसके शारीरिक स्थल से ज्यादा अधिक महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से हम श्री राम के आदर्शों, गुणों और उपदेशों से प्रभावित होते हैं। हम श्री राम के साथीत्व, धर्म, धैर्य, सहानुभूति और सावधान बनने का प्रयास करते हैं और इससे हमारा जीवन स्वर्गीय बनता है। श्री राम मंदिर भारतीय सभ्यता का गर्व है। यह एक पवित्र और आध्यात्मिक स्थल है जहां हर व्यक्ति को शांति, सुख और आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह मंदिर हमें याद दिलाता है कि हम प्रत्येक के साथ सहयोग और विनम्रता से एकता और समरसता को स्थापित कर सकते हैं। श्री राम मंदिर वास्तविक अर्थ में हमारी आध्यात्मिक उन्नयन की प्रेरणा और स्थान है। इस प्रकार यदि हम संक्षेप में कहें तो अयोध्या नगरी जिसे कौशल जनपद के नाम से जाना जाता था में पवित्र सरयू नदी के तट पर पराक्रम, सरलता, सहिषुणता एवं नैतिकता के प्रतीक सर्वग्राही परम आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म स्थान पर बन रहे भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण एक नवीन युग की शुरुआत को दर्शाता है जिसमें देश व समाज के सभी वर्ग, समुदाय और धर्मों के लोग एक साथ मिलकर पूर्ण भाईचारे के साथ रहते हैं और जो सदैव समृद्धि और शांति की दिशा में काम करते हैं। राम मंदिर निर्माण से अनंत ऋषि मुनियों और संत महात्माओं की सदियों से चली आ रही तपस्या सफल होती नजर आ रही है। राम मंदिर निर्माण के साथ - साथ भारत ही नहीं अपितु विश्व के अधिकांश देशों के राम भक्तों के लिए राम लला के दर्शनार्थ वायु सेवा के शुरुआत हेतु श्री राम नगरी अयोध्या में हवाई अड्डे का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जिसका पहला चरण बनकर लगभग तैयार है। प्रथम चरण में घरेलू उड़ान जनवरी 2024 के प्रथम या द्वितीय सप्ताह में शुरू होने की प्रबल संभावना है तथा द्वितीय चरण में अंतराष्ट्रीय उड़ान भी शीघ्र ही शुरू की जाएगी। इस हवाई अड्डे का नाम *महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा* रखा गया जहां भक्तों के प्रवेश करते ही भगवान श्री राम के बचपन से लेकर उनके सभी स्वरूपों का अलौकिक दर्शन किया जा सकता है ताकि भक्तों के अंदर हवाई जहाज से उतरते ही उनका तन एवम् मन राममय हो जाए। इस ऐतिहासिक हवाई अड्डे का उद्घाटन देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में दिनांक 30 दिसंबर 2023 को किया गया। विश्व प्रसिद्ध एवम् नवनिर्मित भव्य मंदिर में राम लल्ला जी को प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत दिनांक 22 जनवरी 2024 को स्थापित किया जाएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**